लखनऊ
वर्ष: 22
अंक : 235
RNI.NO. UPHIN/2004/13730
Email: prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

प्रातः कालीन संस्करण | रविवार, 12 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2 रुपया

शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी चिंताजनक 04
नुसरत भरुचा के साहसी चुनाव ही बनाते हैं उनकी अलग पहचान 08

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश में तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक फ़ेरबदल करते हुए शनिवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के तीन अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सरकार की ओर से जारी तबादला सूची के मुताबिक, आईपीएस अधिकारी संजीव सुमन (2014 बैच) को देवरिया के पुलिस अधीक्षक पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय में संबद्ध किया गया है। उन्हें लखनऊ स्थित पुलिस महानिदेशक मुख्यालय में तैनाती दी गई है। वहीं, आईपीएस प्राची सिंह (2017 बैच), जो 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ में सेनानायक पद पर तैनात थीं, को अम्बेडकरनगर का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा, आईपीएस अभिजीत आर. शंकर (2018 बैच) को अम्बेडकरनगर के पुलिस अधीक्षक पद से स्थानांतरित कर देवरिया का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। इस फ़ेरबदल को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है।

दो और संदिग्ध आतंकी एटीएस के निशाने पर

लखनऊ। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने बिजनौर में दो और संदिग्ध आतंकियों के पकड़े जाने के बाद इसी माड्यूल से जुड़े दो अन्य युवकों की तलाश तेज कर दी है। दोनों को लेकर पश्चिमी यूपी के जिलों में छानबीन की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि इन दोनों युवकों के भी पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में होने की जानकारी सामने आई है। एटीएस संदिग्ध आतंकी मेरठ निवासी जलाल हैदर उर्फ समीर और उवैद मलिक के संपर्क में रहे उनके कुछ करीबियों की भूमिका की भी छानबीन कर रही है। बिजनौर पुलिस दोनों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

दिल्ली सरकार ने प्रस्तावित ड्राफ्ट दिल्ली ईवी नीति पर मांगे सुझाव

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शनिवार को नयी ईवी ड्राफ्ट नीति को लोगों और संबंधित पक्षों की राय के लिए सार्वजनिक कर दिया जिस पर सुझाव देने के लिए सभी हितधारकों को 30 दिन का समय दिया गया है और उसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रस्तावित दिल्ली ईवी ड्राफ्ट नीति 2026 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राजधानी में स्वच्छ, सुलभ और सतत परिवहन प्रणाली स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि यह नीति 31 मार्च 2030 तक प्रस्तावित है। इस नीति के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक वित्तीय प्रोत्साहन, कर छूट, अनिवार्य प्रावधान और अवसंरचना विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस नीति के अंतर्गत सभी खरीद प्रोत्साहन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सीधे दिया जाएगा।

भारत किसी भी चुनौती से निपटने में सक्षम : राजनाथ

बुनियादी ढांचे का विकास तभी सार्थक,जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे: रक्षामंत्री

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लखनऊ में कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे का विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि शहरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि माताओं, बहनों, बुजुर्गों और युवाओं के जीवन को बेहतर बनाने वाला होना चाहिए। स्थानीय सांसद ने गोमतीनगर स्थित विवेक खंड-2 में निर्मित 'लक्ष्मण मंडपम', वरिष्ठ नागरिक डे-केयर सेंटर, ई-लाइब्रेरी, सांस्कृतिक एवं कला संग्रहालय सहित कई जनोपयोगी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से स्थानीय लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में बीते वर्षों में व्यापक आधारभूत ढांचा विकसित किया गया है। शहर में 25 फ्लाईओवर बन चुके हैं, आउटर रिंग रोड से जुड़े नए मार्गों का निर्माण हो रहा है और लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे भी जल्द शुरू होगा। उन्होंने कहा कि इससे राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब तेजी से प्रगति करने वाला राज्य बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रक्षा गलियारा, औद्योगिक निवेश और आधुनिक परिवहन नेटवर्क नई आर्थिक ऊर्जा दे रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण और अन्य रक्षा इकाइयों की स्थापना से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी भी चुनौती से निपटने में भारत सक्षम है। भाजपा सरकार के रहते कोई भी संकट देश में आने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पेट्रोल, डीजल और गैस का पर्याप्त भंडार है इसलिए किसी भी अफवाह पर

ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बाद उत्पन्न हालात से कोई देश अछूता नहीं है लेकिन भारत ने उन चुनौतियों पर विजय पाने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है। राजनाथ ने कहा कि मुझे यह देखकर भी बड़ी खुशी होती है कि हमारा लखनऊ रक्षा क्षेत्र में भी बढ़-चढ़ कर योगदान दे रहा है। यह लखनऊ के लिए गर्व की बात है कि इसे आगरा और कानपुर के साथ डिफेंस नोड घोषित किया गया। अब लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का विनिर्माण भी शुरू हो चुका है। गर्व की बात यह है कि इसकी पहली खेप हमारी सेना को सौंप भी दी गई है। इसके साथ ही रक्षा उपकरणों से जुड़े कई और छोटे-बड़े कारखाने भी यहां स्थापित हो रहे हैं। लखनऊ का विकास, बेहद सुनियोजित योजना के तहत चल रहा है। यह विकास की गंगा है जिसकी धारा में, गरीब का, व्यापारी का, बुजुर्ग का और नौजवान का, सबका कल्याण समाया है। हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि लखनऊ वासियों का रहन-सहन सुख-सुविधाओं से सम्पन्न और परिपूर्ण रहे। उन्होंने बताया कि जब आउटर रिंग रोड के चारों ओर, ये 4-6 लेन की सड़कें और तीन एक्सप्रेसवे जुड़ जाएंगे, तो लखनऊ 400-500 किलोमीटर के दायरे के लिए सबसे बड़ा सप्लाई सेंटर बन जाएगा। मतलब यह कि गांव से लेकर शहर तक, हर जरूरत का सामान लखनऊ से आसानी से और जल्दी पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 927 का निर्माण होने वाला है।

जो आउटर रिंग रोड के पास से बाराबंकी से शुरू होकर बहराइच तक जाएगा। यह 101 किलोमीटर लंबा फोरलेन का मार्ग होगा और इसके साथ ही फोरलेन की सर्विस रोड भी बनेगी। इस प्रोजेक्ट पर करीब 7,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अभी बाराबंकी से बहराइच जाने में जो ढाई घंटे लगते हैं, वह समय घटकर मात्र सवा घंटे का रह जाएगा। इस सड़क के आसपास, स्टेट कैपिटल रीजन यानी राज्य राजधानी क्षेत्र के विकास का एक नया कॉरिडोर भी बनेगा। वैश्विक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और नागरिक किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

उप्र में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में बदलाव की आहट

योगी आदित्यनाथ से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने की मुलाकात

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों संगठनात्मक और राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मुलाकात की। इस दौरान पार्टी संगठन से जुड़े लंबित मामलों और आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश संगठन को और मजबूत बनाने, विभिन्न पदों पर बदलाव तथा सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को आगामी संभावित फ़ेरबदल और राजनीतिक गतिविधियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

इसी क्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े रविवार को लखनऊ पहुंचेंगे। उनके दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के साथ महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है।

- लखनऊ में बैठकों का दौर, बड़े फैसले जल्द
- तावड़े के दौरे से बढ़ी सियासी हलचल
- चुनाव से पहले संगठन में सर्जरी के संकेत

इस बैठक में संगठन के ढांचे, विभिन्न मोर्चों में बदलाव और संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर गहन मंथन होगा। पार्टी सूत्रों की मानें तो संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर कई शेष पेज 02 पर

'इस्लामाबाद वार्ता' शुरू

एजेंसी

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच ''इस्लामाबाद वार्ता'' शनिवार को शुरू हो गयी, जो 40 दिनों तक चले विनाशकारी संघर्ष के बाद घोषित दो सप्ताह के नाजुक युद्धविराम को स्थायी बनाने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जिनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जैरेड कुशनर शामिल हैं।ईरान की ओर से 71 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वार्ता में भाग ले रहा है, जिसमें वार्ताकार, तकनीकी विशेषज्ञ और मीडिया प्रतिनिधि शामिल हैं। इस दल का नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर ग़ालिबाफ़ कर रहे हैं, जबकि विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी इसमें शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी पक्ष 15 सूत्री प्रस्ताव लेकर आया है, जिसमें ईरान से परमाणु हथियार छोड़ने, उच्च संवर्धित यूरेनियम भंडार सौंपने, रक्षा क्षमताओं पर

स्थायी युद्धविराम की तलाश में अमेरिका-ईरान

सीमाएं स्वीकार करने और हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने जैसी मांगें शामिल हैं। इस बीच, वार्ता से कुछ घंटे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यदि बातचीत विफल होती है, तो अमेरिकी युद्धपोतों को फिर से हमले के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, हम जल्द ही जान जाएंगे कि वार्ता सफल होती है या नहीं,' और संकेत दिया कि अमेरिका ने अपने सैन्य विकल्प खुले रखे हैं। ईरान को अमेरिका पर गहरा अविश्वास है, विशेषकर विटकॉफ को लेकर, जिनकी अगुवाई में पूर्व वार्ताएं 2025 और इस वर्ष की शुरुआत में हमलों के कारण बाधित हो गई थीं। वार्ता कई दिनों तक चलने की संभावना है और युद्धविराम को औपचारिक रूप देने की प्रक्रिया अभी स्पष्ट नहीं है। दोनों पक्षों के बीच मतभेद बरकरार हैं, खासकर लेबनान को लेकर, जिसे ईरान अपने प्रस्ताव का हिस्सा बताता है, जबकि अमेरिका इससे इनकार करता है। वार्ता से एक दिन पहले ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर ईरानी रियाल में शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखकर अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट की है। पाकिस्तान ने वार्ता के मद्देनजर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस मध्यस्थता प्रयास में सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अहम भूमिका मानी जा रही है। विश्लेषकों के अनुसार, इन वार्ताओं की सफलता या विफलता पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति पर भी प्रभाव डाल सकती है।

इकॉनोमी में कानून की भूमिका अहम : सीजेआई

एजेंसी

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनोमी बनाने के लिए सिर्फ पूंजी और पॉलिसी काफी नहीं होंगी। इसके लिए मजबूत और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। निवेशकों का भरोसा इसी पर टिका होता है। जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के भविष्य से जुड़ा बड़ा सवाल है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने भरोसा जताया कि देश इस चुनौती को पूरा करेगा, लेकिन इसके लिए कानून की गुणवत्ता, स्थिरता और पारदर्शिता जरूरी होगी, क्योंकि इसी पर आर्थिक वादों और निवेश का आधार टिका होता है। भारत को लंबी अवधि के निवेश की जरूरत एक्सपर्ट कहा कि अब भारत को ऐसे निवेश की जरूरत है जो जल्दी शेष पेज 02 पर

यूपी पुलिस को मिलेंगी 491 महिला आरक्षी

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। महादेव की नगरी काशी की पुलिस लाइन में 491 महिला आरक्षी कठोर प्रशिक्षण ले रही हैं। इन चयनित बहादुर बेटियों के कंधों पर अब कानून-व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण दायित्व होगा।

वाराणसी पुलिस लाइन में महिला कांस्टेबलों का नौ महीने का कठोर प्रशिक्षण पूरा होने वाला है। 20 अप्रैल को पासिंग आउट परेड के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस को वाराणसी आरटीसी में प्रशिक्षित 491 महिला आरक्षी और मिल जाएंगी। मिशन शक्ति अभियान के तहत ये नारी शक्ति न केवल अपराधियों के छक्के छुड़ाएंगी, बल्कि समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने में भी अग्रणी भूमिका निभाएंगी। सरकार प्रशिक्षु महिला आरक्षियों को रहने-खाने की बेहतर व्यवस्था के साथ-साथ इनडोर और आउटडोर दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। योगी सरकार की निष्पक्ष भर्ती नीति के तहत पुरुषों के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं को भी पुलिस सेवा में अवसर मिला है। पिंक बूथ और हेल्पलाइन नंबर 1090 जैसी सुविधाओं के साथ अब ये प्रशिक्षित महिला कांस्टेबल ट्रेनिंग पूरी करने के बाद सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षु महिला आरक्षियों को शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ पुलिसिंग के सभी आवश्यक गुण सिखाए गए हैं। इनमें सोशल पुलिसिंग, आधुनिक तकनीक से होने वाले अपराधों की रोकथाम, हथियार संचालन, साइबर क्राइम, फॉरेंसिक साइंस, फॉरेंसिक मेडिसिन, भारतीय पुलिस का इतिहास (यूपी के संदर्भ में), पुलिस संगठन, अंतर-विभागीय समन्वय, पुलिस कार्यप्रणाली एवं अनुशासन, अपराध शास्त्र एवं अपराध नियंत्रण, महिला पुलिस की भूमिका, महिला पुलिस कर्मियों से व्यवहार, पुलिस कार्य में नैतिकता और जवाबदेही आदि विषय शामिल हैं। इसके अलावा आरक्षियों को श्रमदान, योगासन, खेलकूद, वर्दी पहनने का तरीका, पदवार अधिकारियों की वर्दी पहचानना और सैल्यूट करने की सही विधि भी सिखाई जा रही है। प्रशिक्षु महिला आरक्षी पुलिस लाइन के 12 मंजिला भवन और अन्य बैरकों में रह रही हैं, जहां बंक बेड, आरओ वाटर कूलर, कैंटीन, कूलर और पौष्टिक भोजन के लिए मेस की व्यवस्था है। पुलिस लाइन में बैंक के एटीएम भी उपलब्ध हैं। अपर पुलिस उपायुक्त/सहायक पुलिस आयुक्त पुलिस लाइन डॉ. ईशान शेष पेज 02 पर

- चयनित बहादुर बेटियों के कंधों पर होगा कानून-व्यवस्था और सुरक्षा का दायित्व

मथुरा नाव हादसे में मृतकों की संख्या 11 हुई, सात अभी भी लापता

प्रभात समय संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में यमुना नदी में मोटर बोट पलटने से हुए हादसे के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और अन्य बचाव दल युद्धस्तर पर लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। इस बीच शनिवार को एक और युवक का शव बरामद किया गया है। इससे इस हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो चुकी है, जबकि सात लोग अभी लापता हैं।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने शनिवार दोपहर को रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम चैरिटेबल अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती घायलों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने चिकित्सकों को घायलों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रशासन ने नदी से निकाले गए 10 लोगों के शव को पंजाब भिजवा दिया है।

जिलाधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर लुधियाना से श्रद्धालुओं का जत्था वृंदावन के केशीघाट से यमुना के पार देवराहा बाबा की समाधि स्थल पर दर्शन के लिए जा रहा था। यमुना पर खोले गए पैंटून पुल को जोड़ने के दौरान तेज बहाव में पुल का पीपा मोटरबोट से टकरा गया और बोट पलट गई। उसमें सवार 37 से अधिक श्रद्धालु यमुना में डूबने लगे। आसपास मौजूद गोताखोरों ने 22 लोगों को बचा लिया और अन्य लोगों की खोजबीन शुरू कर दी। दस शव कल ही निकाल लिए गये थे और आज एक युवक का शव गोताखोरों ने खोज निकाला। शेष पेज 02 पर

महात्मा ज्योतिराव फुले को उनके स्थापित संस्थानों और आंदोलनों के लिए याद किया जाता है: मोदी

'महात्मा फुले बने हुए हैं भारत के भविष्य के मार्गदर्शक'

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा ज्योतिराव फुले को एक महान समाज सुधारक करार देते हुए शनिवार को कहा कि उनका जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है।

फुले की जयंती पर अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित एक लेख में मोदी ने कहा कि फुले को उनके द्वारा स्थापित संस्थानों और उनके नेतृत्व वाले आंदोलनों के लिए याद किया जाता है। उन्होंने कहा, ''महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। अन्याय के प्रति संवेदनशील बनना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि समाज अपने प्रयासों से ही खुद को बेहतर बना सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति को जगाकर और नैतिक मूल्यों से जोड़कर भारत में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं।''

मोदी ने कहा, ''यही कारण है कि आज भी उनके विचार करोड़ों लोगों में नई उम्मीद जगाते हैं। महात्मा ज्योतिराव फुले 200 साल बाद भी केवल इतिहास का नाम नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शक बने हुए हैं।'' फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र में हुआ था और उनका निधन 28 नवंबर 1890 को हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि फुले ने ऐसे समय नयी सामाजिक सोच को जन्म देकर शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा, ''शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज

भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए अनुसंधान और नवोन्मेष को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और नवोन्मेष के लिए प्रेरित हों।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है। उन्होंने कहा कि अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा, ''वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है क्योंकि आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत भी हो रही है। उन्होंने कहा, ''महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं। मोदी ने कहा, ''महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को शेष पेज 02 पर

सामाजिक परिवर्तन के लिए ज्योतिबा फुले ने किया कठिन संघर्ष : चंद्रभूषण

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। सामाजिक परिवर्तन लाने हेतु ज्योतिबा फुले के कठिन संघर्ष और बलिदान की देन है कि भारत में आज महिला राष्ट्रपति हैं तो संसद महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने हेतु कानून बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है,उक्त उद्गार महामना ज्योतिबा फुले की जयंती पर रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डुमरी स्थित सपा जन संपर्क कार्यालय पर आयोजित जयंती कार्यक्रम में व्यक्त करते हुए सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले राष्ट्र के गौरव हैं जिन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए।

सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि स्त्री शिक्षा, विधवा विवाह, जातिपात जैसे कठिन मुद्दों पर ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी सावित्री बाई फुले को साथ लेकर परिवार,समाज और तत्कालीन सत्ता से टकराव किया और अपनी राह स्वयं बनाते हुए समाज की आधी आबादी और वंचित जमात को नारकीय जीवन से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। हम आज अपने इस महान पुरखा को जन्म जयंती पर नमन करते हुए उन्हें याद करते हुए श्रद्धावनत हैं।

उक्त अवसर पर रामजी यादव, अर्पणा,रामा भारती, सुरेश नारायण सिंह, संजय यादव, बेलभद्र गोंड,नाजिर अंसारी, मंगरू यादव, श्रवण यादव, शंकर गोंड, व्यास यादव,दयानंद यादव , श्यामराज कन्नौजिया, गोकुला यादव, रामप्यारे यादव, राम अशीष यादव आदि ने भी महामना ज्योतिबा फुले को याद करते हुए उनके चित्र के समक्ष श्रद्धावनत हो नमन किया।

जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

129 मामले आए, 25 का निस्तारण

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समस्त थानों पर राजस्व के अधिकारी एवं पुलिस के अधिकारी मौजूद रहकर उनके द्वारा जनता की समस्याओं को सुना गया एवं संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर कई समस्याओं का निस्तारण भी कराया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में बेहतर जनसुनवाई एवं पुलिस के उत्तरदायित्व निर्धारण करने, संवेदनशीलता बढ़ाने, एवं बेहतर पारदर्शिता बढ़ाने के लिए थाना दिवस पर डेस्क सिस्टम के तहत समस्त थानों पर हल्का प्रभारी व बीट पुलिस अधिकारी द्वारा अपने-अपने हल्का/ग्राम/बीट की डेस्क लगाकर जनसमस्याओं को सुना गया और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण भी कराया गया।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा थाना कोतवाली में जनसमस्याओं को सुना गया एवं प्राप्त प्रार्थना पत्रों में राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर उनके निस्तारण हेतु संबन्धित को उचित दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग के सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त थानों पर कुल 119 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 25 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया शेष प्रार्थना पत्रों का निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें गठित की गयीं ।

प्राथमिक विद्यालय मानपुरवा में पुस्तक वितरण

बहराइच। तेजवापुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मानपुरवा में प्रधानाध्यापिका शहनाज बेगम, शिक्षिका प्रकाशिनी मिश्रा, दीपशिखा पाठक, सुनीता सिंह और नूरजहां ने उपस्थित सभी बच्चों को पुस्तकें वितरित कीं। पुस्तक वितरण के दौरान शिक्षिकाओं ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। बच्चों में नई किताबें पाकर खासा उत्साह देखने को मिला। प्रधानाध्यापिका शहनाज बेगम ने बताया कि विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत छुट्टी के बाद गांव में घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

चेकिंग अभियान, तीन दर्जन वाहनों का काटा चालान

नवाबगंज बहराइच। नवाबगंज पुलिस ने शुक्रवार देर शाम चलाया संघन चेकिंग अभियान तीन दर्जन दुपहिया व चार पहिया वाहनों का काटा चालान। शुक्रवार रात 8:00 बजे के करीब थाना प्रभारी निरीक्षक रमाशंकर यादव के नेतृत्व में नवाबगंज पुलिस ने बक्शी गांव रोड, निम्निहारा चौराहा ,शकरपुर रोड, हजिन मस्जिद चौराहा, चौक घंटाघर आदि स्थानों पर संघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान तीन दर्जन दो पहिया व चार पहिया वाहनों का चालान काटा इस दौरान वाहन चालकों को चेतावनी भी दी गई । इस अवसर पर क्राइम इंस्पेक्टर अशोक कुमार वर्मा ,एस आई धनंजय कुमार , विशाल पाठक आरक्षी अशफाक आलम ,अमित पांडे, सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट नामांकन करने वाले विद्यालय सम्मानित

कैसरगंज(बहराइच)। शिक्षा क्षेत्र कैसरगंज मे सर्वाधिक नामांकन करने वाले प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक/ प्रभारी प्रधानाध्यापक को बीईओ जितेंद्र बहादुर सिंह की ओर से सम्मानित किया गया। जिसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय गुलरिहा गाजीपुर, गोडहिया नं0 04, रायगढ़ बेहड़ा, जगन्नाथ महतौपुरवा, देवलखा, कन्दैला, ठगपुरवा, कुण्डासर, इटहुआ, चुलम्भा, ऐनी हतिन्सी, अवस्थीपुरवा, परसेण्डी, कसेहरी बुजुर्ग, कल्याण कोड़री, खेमनीपुर, गोडहिया नं0 01 प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालय में ग्यारहसारिती, मोकला, भागीरथपुरवा, जगन्नाथ महतौपुरवा, देवलखा, अलहियापुर, बैरी शालपुर, मूसेपुर, पवही कंपोजिट, रानीगंज मतरेपुर, पडुहा इस अवसर पर ए आर पी रसल रघुवंशी , सूर्यप्रताप जयसवाल ,महेन्द्र चौधरी, उमेश पाण्डेय, मनोज कुमार सिंह, आशीष रत्न प्रकाश श्रीवास्तव, राहुल गुप्ता, अनिल कुमार सिंह, बृजेश प्रताप चौधरी, मास्टर रफीक, रामराज गुप्ता, नीरज कुमार, कमलेश कुमार राव, अनिल कुमार एवं सुधीर पटेल सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

भक्ति रस में डूबा रामगढ़ अतरौलिया, भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धालु हुए भाव विभोर

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। ग्राम रामगढ़ के अतरौलिया गांव में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन का आयोजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कथा का रसपान कराते हुए प्रसिद्ध कथावाचक पंडित रघुनाथ दास शास्त्री ने श्रद्धालुओं को भगवान की भक्ति, धर्म और सत्कर्मों का महत्व विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला ज्ञान यज्ञ है, जो व्यक्ति को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कथा के दौरान पंडित शास्त्री ने भगवान के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि कलियुग में भक्ति ही मोक्ष का सबसे सरल मार्ग है। उनके मधुर वचनों और भजनों से पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और पूरा वातावरण भक्ति रस में सराबोर हो गया। मुख्य यजमान डा. सर्वेश शुक्ला की माता कमला देवी है। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक डॉ. सर्वेश शुक्ला (सर्जन) ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों में आपसी भाईचारा बढ़ता है। कथा के समापन पर विधिवत आरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आरती के पश्चात सभी उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्था सुव्यवस्थित रही और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। यह श्रीमद् भागवत कथा रामगढ़, पोस्ट अतरौलिया में आयोजित की जा रही है, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। जिसमें प्रतिदिन भक्ति और ज्ञान की गंगा प्रवाहित होती रहेगी। इस दौरान माया शुक्ला, सुरेश कुमार तिवारी, डायरेक्टर पल्लवी शुक्ला,डा. वर्षा शुक्ला, आस्था शुक्ला,वैभव शुक्ला, सौम्या तिवारी,धर्मेंद्र शुक्ला, आदर्श तिवारी, नैतिक द्विवेदी,मानश शुक्ला,संदीप द्विवेदी,रामसूरत पांडेय,जीवनलाल तिवारी, गिरजेश शुक्ला, देव कुमार शुक्ला,हरीश शुक्ला, विनोद शुक्ला समेत सैकड़ों श्रोता मौजूद रहें।

विश्व पार्किंसंस दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। एसकेएस कॉलेज सबलापुर में विश्व पार्किंसंस दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पार्किंसंस रोग के प्रति जागरूक करना और इसके लक्षण, कारण व बचाव के बारे में जानकारी देना रहा। इस अवसर पर नर्सिंग छात्राओं ने पार्किंसंस रोग के बारे में विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यह एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जो मुख्य रूप से बुजुर्गों को प्रभावित करती है। इसके प्रमुख लक्षणों में हाथ-पैरों में कंपन, शरीर में जकड़न, संतुलन में कमी और धीमी गति से चलना शामिल हैं। छात्राओं ने समय पर पहचान और उपचार की आवश्यकता पर भी जोर दिया।कार्यक्रम में नर्सिंग प्राचार्या डॉ. के. रोजा रानी ने भी छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही किसी भी बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने छात्राओं को समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से लोगों को सही जानकारी मिलती है, जिससे वे समय रहते चिकित्सकीय सलाह ले सकते हैं।कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं ने मिलकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और पार्किंसंस जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस दौरान एसोसिएट प्रोफ़ेसर संगीता पाल, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर फूलचंद्र डावरिया,उदय प्रताप वर्मा, चन्दन शर्मा, प्रतिज्ञा पाठक, सौम्या सिंह, सुषमा गिरी, सौम्या, आंचल सिंह, मोनिका, एकता सिंह,लवीशा प्रजापति समेत अन्य मौजूद रहें।

अभियान चलाकर की जा रही स्कूली वाहनों की जांच

कैसरगंज(बहराइच)। स्कूल के वाहनों से पढने आने वाले बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए स्कूल वाहनों की जांच अभियान तेज कर दिया है।इसी क्रम में शनिवार को यात्री कर अधिकारी(पीटीओ) अवधराज गुप्ता के नेतृत्व मे आयी टीम ने कैसरगंज के कंचन कान्वेंट स्कूल,रामा देवी पब्लिक स्कूल,कोणार्क पब्लिक स्कूल,सरदार पटेल इंटर कालेज,मदनी इंटर कालेज सहित विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान स्कूल परिसर में खड़े वाहनों की फिटनेस, दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई।पीटीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना विद्यालय से विधिवत संबद्ध कोई भी वाहन बच्चों का परिवहन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच में कई वाहनों में सुरक्षा मानकों की कमी पाए जाने पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई और सभी स्कूल वाहनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा प्रत्येक सीट पर सीट बेल्ट सुनिश्चित करने व फर्स्ट ऐड बाक्स रखे जाने के निर्देश दिए।

अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए तहसील प्रशासन ने जारी किया नोटिस

नवाबगंज, बहराइच। तहसील नानपारा प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए एक व्यक्ति को नोटिस जारी किया गया है। तहसीलदार नानपारा की ओर से अमिताभ शंकर त्रिपाठी पुत्र सालिकराम त्रिपाठी, निवासी बुद्धि गांव दाखिला रामनगर सेमरा, को यह नोटिस भेजा गया है।

जारी नोटिस के अनुसार ग्राम रामनगर, परगना चरदा, तहसील नानपारा अंतर्गत गाटा संख्या 0.0/2 की भूमि राजस्व अभिलेखों में खलिहान, खाद गड्ढा, चकमार्ग, कब्रिस्तान, मरघट, श्मशान, बंजर एवं नवीन परती श्रेणी में दर्ज है। जांच के दौरान इस भूमि पर संबंधित व्यक्ति द्वारा अवैध कब्जा एवं निर्माण पाया गया है।

प्रशासन ने नोटिस के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिया है कि संबंधित व्यक्ति एक सप्ताह के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाकर भूमि को खाली कर दें। अन्यथा नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई करते हुए प्रशासन द्वारा कब्जा हटवाया जाएगा।तहसील प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयावधि में अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो कब्जा हटाने में आने वाला समस्त खर्च संबंधित व्यक्ति से राजस्व बकाया के रूप में वसूला जाएगा।प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अतिक्रमण कारियों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सब पढ़ें–सब बढ़ें के नारों से गूंजा कैसरगंज

प्रभात समय संवाददाता

कैसरगंज(बहराइच)। ब्लॉक संसाधन केन्द्र कुण्डासर कैसरगंज द्वारा स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत नामांकन बढ़ाने एवं शिक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली को खण्ड शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र बहादुर चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह जागरूकता रैली बीआरसी कुण्डासर से प्रारंभ होकर भकला चौराहा, भखरौली, कनपुरवा, ऐनी अलहियापुर, देवलखा, बरखुरद्दारापुर होते हुए नगर पंचायत कैसरगंज के मुख्य बाजार से गुजरकर राजकीय बालिका विद्यालय में सम्पन्न हुई।इस अवसर पर बीईओ जितेन्द्र बहादुर चौधरी ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का समय से विद्यालयों में नामांकन कराएं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए।रैली में शिक्षकों, शिक्षामित्रों एवं विद्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सब पढ़ें, सब बढ़ें जैसे प्रेरणादायक नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा और आमजन को शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

मनोनीत सभासदों ने ली शपथ

अस्मित रस्तोगी

जरवल/बहराइच। शुक्रवार को जरवल नगर पंचायत शहनाई मैरिज हॉल तालियों की गूंज से गूंज उठा। जब उत्तर प्रदेश शासन द्वारा मनोनीत सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह भव्य उत्सव के रूप में संपन्न हुआ।

बताते चले अध्यक्षा तस्लीम बानो और ईओ खुशबू यादव की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम ने पूरे इलाके को उत्साह से सराबोर कर दिया। मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा, ''जरवल का भविष्य नई ऊंचाइयों को छूने को तैयार है!'' दर्शक जोरदार तालियों से गूंज उठे। विशिष्ट अतिथि विधानसभा संयोजक व पूर्व कैसरगंज प्रत्याशी गौरव वर्मा की मौजूदगी ने माहौल को रोमांचक बना दिया। उपजिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश कुमार सिंह ने संतोष श्रीवास्तव (मंडल उपाध्यक्ष जरवल), कृष्णपाल लोधी (सेक्टर प्रभारी) और बूथ अध्यक्ष मंगल जायसवाल को शपथ दिलाई। सैकड़ों संभ्रांत नागरिक, महिलाएं व युवा इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि इंतजार अहमद मिथुन ने सभी प्रमुख अतिथियों को गुलदस्ते भेंटकर पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख इंध विपेंद्र वर्मा, कृष्ण मुरारी अग्रवाल, विजय सर्राफ, प्रमोद कुमार गुप्ता, श्री ओम जायसवाल, जितेंद्र गुप्ता, सचिन अग्रवाल, पवन वर्मा, डॉ. चेतन श्रीवास्तव सहित स्थानीय व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में परिवार उपस्थित हुए। हल्के-फुल्के भोज के साथ समाप्त यह आयोजन विकास व एकता का संदेश छोड़ गया। अब सभी की नजरें नए सभासदों पर हैं, जो नगर को नई दिशा देंगे।

पेज एक का शेष...

उप्र में मंत्रिमंडल...

नामों पर चर्चा चल रही है। अंदरखाने बैठकों का दौर तेज है और संभावित बदलावों को लेकर कयास भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि अंतिम फैसला भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी के बाद ही होगा। बताया जा रहा है कि फिलहाल पार्टी आलाकमान पश्चिम बंगाल के राजनीतिक अभियान में व्यस्त है, जिसके चलते उत्तर प्रदेश से जुड़े निर्णयों पर अंतिम मुहर लगने में थोड़ा समय लग सकता है। आलाकमान की स्वीकृति मिलते ही संगठनात्मक बदलाव और मंत्रिमंडल विस्तार की सूची जारी होने की संभावना है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी दिनों में उत्तर प्रदेश भाजपा में संगठनात्मक और प्रशासनिक स्तर पर बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जो आने वाले चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित करेंगे।

इकॉनोमी में ...

मुनाफा कमाने के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक टिके रहने वाले हों और भरोसे पर आधारित हों। जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर में पेंशन फंड का पैसा लगाना, टेक कंपनियों का अपना ज्ञान साझा करना या बड़ी विदेशी कंपनियों का सप्लाई चेन बनाना- ये सब लंबे समय की जिम्मेदारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक सबसे पहले ये देखते हैं कि जिस देश में वे पैसा लगा रहे हैं, वहां का कानून आगे भी ईमानदार, स्थिर और भरोसेमंद रहेगा या नहीं। उनके मुताबिक असली बात सिर्फ कॉन्ट्रैक्ट निभाने की नहीं है, बल्कि पूरे रिश्ते में भरोसा बनाए रखने की है। उन्होंने ये भी बताया कि पिछले 20 साल में बिजनेस विवादों का नेचर बदल गया है। पहले झगड़े आम तौर पर पेमेंट या सामान की सप्लाई जैसे सीधे मुद्दों पर होते थे, लेकिन अब ये लंबे और जटिल कारोबारी रिश्तों से जुड़े होते हैं, क्योंकि अर्थव्यवस्था भी बड़ी और जटिल हो गई है। सीजेआई ने कहा कि अब कानून की जिम्मेदारी सिर्फ समझौते के वक्त तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पूरे कारोबारी रिश्ते के दौरान भी न्याय बना रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जजों के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण जरूरी है, ताकि वे आर्थिक व्यवस्था की बारीकियों को समझ सकें। इसके लिए डोमेन एक्सपर्ट्स के साथ बातचीत जैसे कदम उठाने की जरूरत है। तकनीक की भूमिका पर बात करते हुए कहा कि इसे कानूनी सिस्टम का हिस्सा माना जाना चाहिए, न कि सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा। डिजिटल केस मैनेजमेंट, एआई आधारित रिसर्च और इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रियाएं न्याय की गति और लागत को सीधे प्रभावित करती हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि तकनीक के बावजूद इंसानी निर्णय ही न्याय का केंद्र रहेगा। तकनीक का उद्देश्य सिर्फ प्रक्रिया को आसान और तेज बनाना है। अंत में उन्होंने बार (वकीलों) की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि देश की आर्थिक प्रगति में उनकी भी अहम जिम्मेदारी है। उन्हें खुद को सिर्फ सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि देश के आर्थिक भविष्य का भागीदार मानना होगा। उन्होंने कहा कि जो पीढ़ी भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए कमर्शियल कानून को आकार देगी, उसे उसी तरह याद किया जाएगा, जैसे संविधान बनाने वाली पीढ़ी को याद किया जाता है।

यूपी पुलिस को...

सोनी ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान महिला कांस्टेबलों को सॉफ्ट स्किल्स, दंगा नियंत्रण, शस्त्र चलाने और कानून की बारीकियों आदि में दक्ष बनाया गया है। उनकी परीक्षाएं चल रही हैं। 20 अप्रैल को पासिंग आउट परेड होगा, इसके बाद सभी प्रशिक्षु पूर्ण रूप से आरक्षी बनकर सेवा में लग जाएंगी। प्रशिक्षु महिला आरक्षी नीतू गौतम ने कहा, ‛पुलिस की वर्दी में मिशन शक्ति की सिपाही बनकर हम हर महिला को सुरक्षित महसूस कराएंगी। योगी जी की सरकार ने हमें यह अवसर दिया है, अब हम समाज की सेवा और सुरक्षा में पूरा योगदान देंगी।‛ कविता यादव ने बताया, ‛हम केवल पुलिस कर्मी नहीं, बल्कि समाज में बदलाव की प्रतिनिधि बनना चाहती हैं। महिला आरक्षी कानून की रक्षा के साथ-साथ महिलाओं की आवाज भी बनेंगी और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को समाज के हर तबके तक पहुंचाएंगी।‛ सोनाली ने बताया, ‛मैं प्रयागराज के फूलपुर की मुंशी बुजुर्ग गांव की पहली बेटी हूं, जो पुलिस विभाग में भर्ती हुई हूं। अब गांव की अन्य बेटियां भी पुलिस भर्ती प्रक्रिया के बारे में पूछताछ कर रही हैं। पारदर्शी भर्ती ने हमें अपने पैरों पर खड़ा होने का मौका दिया है।

मथुरा नाव हादसे में ...

मृतक की पहचान माणिक टंडन के रूप में हुई है। अब तक 11 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि सात श्रद्धालुओं का अब तक पता नहीं चल पाया है। एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत और एडीएम वित्त डॉक्टर पंकज वर्मा की अगुवाई में टीमें यमुना नदी में लापता श्रद्धालुओं की तलाश कर रही हैं। पूरे मामले की जांच एडीएम वित्त डॉ. पंकज वर्मा को सौंपी गई है।

‘महात्मा फुले बने...

मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। उन्होंने कहा, ‛वह कहते भी थे-‘हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है।’ साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी जिनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। उन्होंने कहा कि वह कहते थे ‛बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''महात्मा फुले ने कहा था- जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिलत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिलत नाही- यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। उन्होंने कहा, ''इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। उन्होंने कहा, ''यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है। मोदी ने कहा कि फुले का व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। उन्होंने कहा, ''लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं तथा भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई और महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। उन्होंने कहा, ''1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया।'' मोदी ने कहा, ''भारतभूमि बार-बार ऐसी महान विभूतियों से धन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उन्हीं लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे।'' उन्होंने कहा, ''मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी।''

चिकित्सा विभाग की अहम कड़ी हैं फार्मासिस्ट: ब्रजेश पाठक

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को इंदिरानगर में आयोजित डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन के द्विवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन में शामिल हुए। इस अवसर ब्रजेश पाठक ने कहा कि फार्मासिस्ट चिकित्सा विभाग की अहम कड़ी हैं। वे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं। फार्मासिस्ट डॉक्टरों द्वारा लिखे गए नुस्खों के अनुसार मरीजों को सुरक्षित और सही दवाएं उपलब्ध कराते हैं। दवाओं के उपयोग, खुराक, दुष्प्रभावों और परस्पर क्रियाओं के बारे में मरीजों को परामर्श देते हैं। आपके लिए हमारे घर और दफ्तर के दरवाजे सदैव खुले हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्मासिस्ट की भूमिका केवल मरीजों को दवा देना ही नहीं वरन मरीजों की सुरक्षा और सही उपचार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में हम लोगों के दायित्व अलग हो सकते हैं लेकिन लक्ष्य हमारा एक ही है। प्रदेश के लोगों को सुरक्षित और उच्च गुणवत्तापरक इलाज उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि फार्मासिस्ट हमारे परिवार का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित एसोसिएशन के प्रबंधन को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामानाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमें संयुक्त रूप से अपने विभाग को प्रदेश और देश में नंबर वन बनाना है। वर्ष 2017 से पहले स्वास्थ्य विभाग की क्या स्थिति थी, यह किसी से छिपा नहीं है। आज हम सभी ने बहुत मेहनत से मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है लेकिन मंजिल अभी दूर है। हमें अभी और काम करना है और प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापरक इलाज पहुंचाना है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से जो भी मांग पत्र प्राप्त हुआ है, उनके स्तर जो संभव होगा, उसका प्रस्ताव तैयार कर मांग को जरूर पूरा कराया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने डीजी, हेल्थ को तत्काल ही प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे हर परिस्थिति में एसोसिएशन के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़े हैं। कार्यक्रम में महानिदेशक चिकित्सा डॉ. पवन कुमार अरुण, महानिदेशक, प्रशिक्षण डॉ. रंजना खरे, प्रदेश अध्यक्ष, डीपीआरए जेके सचान, महामंत्री, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, आरके निगम, जेडी, पैरामेडिकल डॉ. सुनील वर्मा, अध्यक्ष, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद आरके वर्मा, संप्रेक्षक, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद नागेंद्र भूषण पांडेय जी, निदेशक, पैरामेडिकल डॉ. संजू अग्रवाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जे.के. सचान छठी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित; डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने दिया आशीर्वाद

इंदिरानगर में आयोजित डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश का द्विवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन एवं निर्वाचन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ। संगठन की एकजुटता का परिचय देते हुए जे.के. सचान लगातार छठी बार निर्विरोध प्रांतीय अध्यक्ष चुने गए और नया कीर्तिमान स्थापित किया।

स्मृतिका युद्ध स्मारक में अत्याधुनिक लेज़र, लाइट और साउंड शो का उद्घाटन

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को लखनऊ छावनी स्थित सेना की मध्य कमान के स्मृतिका युद्ध स्मारक में अत्याधुनिक लेज़र, लाइट और साउंड शो का उद्घाटन किया।करीब 30 मिनट का यह हिंदी मल्टीमीडिया शो उन्नत प्रोजेक्शन, ध्वनि और प्रकाश तकनीकों के माध्यम से भारतीय सेना के इतिहास, उसकी सैन्य उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में योगदान को प्रस्तुत करता है। यह शो भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और विरासत को समर्पित है। शो में भारत के प्रमुख युद्धों और सैन्य अभियानों, मध्य कमान की ऐतिहासिक भूमिका, अवध क्षेत्र की वीर परंपरा तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के अनुरूप सैन्य आधुनिकीकरण को दर्शाया गया है। इसे प्रतिदिन शाम के समय आयोजित किया जाएगा और शीघ्र ही आम जनता के लिए भी खोला जाएगा। प्रस्तुति में 1947-48, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के साथ 'ऑपरेशन मेघदूत' और 'ऑपरेशन विजय' के प्रमुख योगदानों को रेखांकित किया गया है। साथ ही विभिन्न अभियानों में मध्य कमान की भूमिका और अवध क्षेत्र के परमवीर चक्र विजेताओं की वीरता को भी प्रमुखता से दर्शाया गया है। शो में आधुनिक युद्ध की बदलती चुनौतियों के बीच भारतीय सेना के निरंतर आधुनिकीकरण, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी प्रगति और उत्तर प्रदेश के रक्षा गलियारे जैसी पहलों को भी शामिल किया गया है। इस आयोजन के लिए स्मृतिका युद्ध स्मारक परिसर का व्यापक उन्नयन किया गया है। यहां अत्याधुनिक प्रोजेक्टर, स्पीकर, युद्ध ट्रॉफियों और सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित करने वाले म्यूरल तथा एक आधुनिक एम्फीथिएटर का निर्माण कराया गया है। यह पहल सेना की मध्य कमान, उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के संयुक्त सहयोग से पूरी की गई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ मध्य कमान लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित रहे।

बरहज एसडीएम के निलंबन के बाद जिले में प्रशासनिक फ़ेरबदल, दो उपजिलाधिकारियों के तबादले

देवरिया। जनपद में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने उपजिलाधिकारियों के स्थानांतरण/नवीन तैनाती के आदेश जारी किए हैं। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, बरहज के उपजिलाधिकारी विपिन कुमार द्विवेदी के निलंबन के कारण रिक्त हुए पद को भरने के लिए यह कदम उठाया गया है। आदेश के तहत हरिशंकर लाल, जो वर्तमान में रुद्रपुर में उपजिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत थे, को बरहज में उपजिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात किया गया है। वहीं, अवधेश कुमार निगम, जो अपर उपजिलाधिकारी सदर देवरिया के पद पर कार्यरत थे, को रुद्रपुर में उपजिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी तत्काल प्रभाव से अपने नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करें, जिससे प्रशासनिक कार्यों का संचालन निर्बाध रूप से जारी रह सके। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

जिले में सुरक्षा सैनिक, सुपरवाइजर व अधिकारी पद पर सिविल डिफेंस की तहत विभिन्न ब्लॉकों में होगी भर्ती

देवरिया। जिले के समस्त विकास खण्डो में भर्ती का आयोजन किया जायेगा जिसमें कोई कोई भी अभ्यर्थी किसी भी ब्लॉक में आ सकता है। यह भर्ती भारत सरकार के सूक्ष्म लघु उद्योग मंत्रालय द्वारा पारित पसारा एक्ट 2005 के तहत किया जाएगा।

विभिन्न विकास खण्डों में तिथिवार लगेगा शिविर

देवरिया। उप जिलाधिकारी देवरिया व सलेमपुर ने बताया कि जनपद के समस्त विकास खण्ड मुख्यालयो में एसआईएस इंडिया लि0 के तत्वाधान में देवरिया जिले में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु तिथिवार शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 15 अप्रैल को सलेमपुर ब्लॉक 2026, 16 अप्रैल को बरहज ब्लॉक, 17 अप्रैल को भटनी ब्लॉक, 18 अप्रैल को भलवनी ब्लॉक, 20 अप्रैल को भागलपुर ब्लॉक, 21 अप्रैल को लार ब्लॉक,22 अप्रैल को पत्थरदेवा ब्लॉक, 23 अप्रैल को रामपुर कारखाना 24 अप्रैल को तरकुलवा ब्लॉक, 25 अप्रैल को बैतालपुर ,27 अप्रैल को ग़ौरीबाजार ब्लॉक में भर्ती शिविर का आयोजन किया जायेगा। कोई भी अभ्यर्थी किसी ब्लॉक में आ सकता है। डिप्टी कमांडेंट रजनीश कुमार राय एसआईएस इंडिया लि0 भारत की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है, जो सिविल डिफेंस के तहत एनडीआरफ द्वारा ट्रेनिंग सभी प्रशिक्षु को भी दिया जाता है।और सुरक्षा प्रदान करने का कार्य पूरे भारत व विदेशो में कर रही है। इस शिविर में सुरक्षा सैनिक, सुपरवाइजर की नियुक्ति की जाती है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि जौनपुर ट्रेनिंग सेंटर सुरक्षा सैनिक एवं सुपरवाइजर और ऑफिसर पद के लिए शारीरिक माप दण्ड जिसमें लम्बाई 167.5 सेंमी, सीना 80-85 सेंमी तथा उम्र 19 से 40 के बीच, वजन 56 से ज्यादा 90 से कम तथा योग्यता हाईस्कूल पास होना चाहिए। वही सुपरवाइजर के लिए इंटर पास होना चाहिए और लंबाई 170 सेमी उम्र 19 से 40 वर्ष जो देखने में होनहार हो। ऐसे इच्छुक बेरोजगार युवको को उक्त निर्धारित तिथियों में अपनी सुविधानुसार संबंधित विकास खण्डों में निर्धारित शिविर में साक्षात्कार हेतु प्रतिभाग कर सकते है। पंजीकृत चयनित अभ्यर्थियो को प्रशिक्षण अथवा ट्रेनिंग के लिए जौनपुर भेजा जायेगा, जहाँ प्रत्येक चयनित एवं इच्छुक उम्मीदवारों का 350 का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होगा। तत्पश्चात तुरंत बाद नियुक्ति पत्र मिलेगा। जिसको लेकर ट्रेनिंग सेंटर में उपस्थित होना होगा। प्रशिक्षण के दौरान एक माह का ट्रेनिंग देकर तुरंत उन्हें सरकारी एवं गैर सरकारी जगहों के तैनाती स्थलो पर सुरक्षा के कार्य में स्थाई तैनाती की जाएगी। जैसे बनारस में , लखनऊ में प्रसिद्ध होटलों, मंदिरों, रेलवे मेट्रो, हॉस्पिटलों, विश्वनाथ मंदिर ,अयोध्या मंदिर इत्यादि जगहों में तैनात किया जाएगा। जहाँ नौकरी के दौरान पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी की सुविधा मिलेगी।

महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा के प्रसार के लिए अपना जीवन समर्पित किया : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास, 7 कालिदास मार्ग पर महान समाज सुधारक एवं शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने सामाजिक समता, शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार और कार्य आज भी हमें एक समतामूलक, शिक्षित और जागरूक समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

केजीएमयू के चिकित्सकों ने दो मरीजों का घुटना प्रत्यारोपण कर दर्द से दिलाई निजात

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के आर्थोपेडिक विभाग के चिकित्सकों ने दो मरीजों का घुटना प्रत्यारोपण कर दर्द से निजात दिलाने का काम किया। पहले मरीज हरि प्रसाद हैं। इनकी आयु 76 वर्ष है। वह उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के निवासी हैं। पिछले चार वर्षों से दोनों घुटनों में लगातार दर्द से पीड़ित थे। समय के साथ उनकी स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी। उन्हें चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाई होने लगी और उनकी दैनिक गतिविधियाँ प्रभावित हो गई थीं।

दूसरे मरीज सत्यनारायण हैं। इनकी आयु 65 वर्ष हैं। यह प्रयागराज के निवासी हैं। यह पिछले तीन वर्षों से दोनों घुटनों के दर्द से परेशान थे। इन दोनों परिवारों के लिए यह समय अत्यंत भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण कदम था, क्योंकि पूरा परिवार वर्षों तक दर्द सहते देखा था। इस अत्यंत जटिल सर्जरी को केजीएमयू के डॉ. नरेन्द्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में ऑर्थोपेडिक सर्जनों की टीम ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। घुटना प्रत्यारोपण में डॉ. मनीष कुमार, डॉ. आकाश सिंह, डॉ. तुषार सिंह और डॉ. आयुष तिवारी शामिल रहे।

एनेस्थीसिया टीम में डॉ. हेमलता वर्मा, डॉ. शिवम, डॉ. गोविन्द और डॉ. हरीश ने घुटना प्रत्यारोपण में सहयोग किया। डॉ. नरेन्द्र सिंह कुशवाहा ने शनिवार को हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि सर्जरी के बाद दोनों मरीजों की स्थिति स्थिर है। वे केजीएमयू में नियमित फिजियोथेरेपी के माध्यम से तेजी से रिकवरी कर रहे हैं और अब दोनों मरीज अपने पैरों पर खड़े होकर चलने लगे हैं।

नगर विकास योजनाओं को दें रफ्तार : मंत्री ए.के. शर्मा

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शनिवार को लखनऊ स्थित संगम सभागार में नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए मंत्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पिछली वित्तीय वर्ष में जो योजनाएं किसी कारणवश अधूरी रह गई हैं, उन्हें चालू वित्तीय वर्ष में तत्काल शामिल कर प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वैश्विक नगर योजना के अंतर्गत नए प्रस्ताव आमंत्रित किए जाएं तथा दीनदयाल योजना, स्मार्ट पालिका योजना, सेफ सिटी योजना, एयर क्वालिटी योजना, मलिन बस्ती योजना एवं आदर्श नगर पंचायत जैसी

जनकल्याणकारी योजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाया जाए।

मंत्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अप्रैल और मई माह नगर विकास कार्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन दो महीनों में सभी योजनाओं की व्यापक समीक्षा करते हुए आवश्यक प्रस्ताव प्राप्त किए जाएं और युद्धस्तर पर कार्य कर अधिकतम परियोजनाएं पूर्ण की जाएं, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी सख्त निर्देश दिए कि किसी भी फाइल को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और प्रत्येक प्रकरण पर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने आगे कहा कि सभी कार्य योजनाओं को पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जाए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लंबित द्वितीय किस्त को केंद्र सरकार से धनराशि प्राप्त होते ही पात्र लाभार्थियों को तत्काल जारी किया जाए, ताकि वे वर्षा ऋतु से पूर्व अपने आवासों का निर्माण पूर्ण कर उसमें निवास कर सकें। बैठक में प्रमुख सचिव पी. गुरु प्रसाद, सचिव रविंद्र कुमार, विशेष सचिव सत्य प्रकाश पटेल एवं भानु त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महान समाज सुधारक ज्योतिबा फूले की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि महात्मा फुले ने समाज को यह सिखाया कि वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब हर व्यक्ति को शिक्षा, सम्मान और समान अवसर प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि फुले के संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन में नई रोशनी जलाई और समाज में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया। योगी ने लोगों से आह्वान किया कि वे महात्मा फुले के विचारों को आगे बढ़ाते हुए एक समतामूलक और जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लें। गौरतलब है कि ज्योतिबा फुले जयंती हर वर्ष 11 अप्रैल को मनाई जाती है। 19वीं सदी के प्रमुख समाज सुधारकों में शामिल फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर महिलाओं की शिक्षा, जातिगत समानता और छुआछूत के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। दोनों ने वर्ष 1848 में पुणे में देश का पहला बालिका विद्यालय स्थापित कर शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल की, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

लखनऊ समेत यूपी के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार जाने का अनुमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क बने रहने और आगामी सप्ताह के दौरान सक्रिय मौसम तंत्र नहीं होने के कारण तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना जताई गई है। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में मौसम शुष्क होने के बाद पिछले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में औसतन 6 से 8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके बावजूद अधिकांश स्थानों पर तापमान अभी भी सामान्य से नीचे बना हुआ है। विभाग ने बताया कि दिन में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा तथा झोंकों में 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही पछुआ हवाओं का दौर 12 अप्रैल के बाद कमजोर पड़ने की संभावना है। साथ ही अगले एक सप्ताह तक किसी सक्रिय मौसम प्रणाली के संकेत नहीं हैं।

पीएम श्रम योगी मानधन योजना में तेज रफ्तार, कई जिलों ने बनाया रिकॉर्ड

प्रभात समय संवाददाता

- विशेष अभियान और वार्षिक प्रगति में बेहतर प्रदर्शन से बढ़ी योजना की पकड़
- फिरोजाबाद, गाजियाबाद, बस्ती ने अभियान में दिखाई बढ़त
- हरदोई, आजमगढ़ और गाजियाबाद बने वार्षिक प्रदर्शन के मॉडल जिले, असंगठित श्रमिकों तक तेजी से पहुंच रही सामाजिक सुरक्षा योजना

लखनऊ। प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की जा रही है। 15 जनवरी से 15 मार्च 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कई जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे पूरे प्रदेश में योजना की गति तेज हुई है।

विशेष अभियान के तहत फिरोजाबाद ने 349 नामांकन के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि गाजियाबाद (262) और बस्ती (238) ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अग्रणी जिलों में अपनी जगह बनाई। इसके अलावा बांदा, बरेली, अंबेडकर नगर, हापुड़ और बिजनौर जैसे जिलों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 की समग्र प्रगति पर नजर डालें तो हरदोई 929 नामांकन के साथ पहले स्थान पर रहा। आजमगढ़ (597) और गाजियाबाद (547) ने भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर खुद को मॉडल जिलों के रूप में स्थापित किया है। प्रतापगढ़, बस्ती, बलिया, मेरठ और वाराणसी जैसे जिलों की सक्रियता भी उल्लेखनीय रही। योगी सरकार द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का सकारात्मक असर यह रहा कि अधिकांश जिलों में नामांकन की गति में तेजी आई है। जिन जिलों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम रहा है, वहां भी सुधार की प्रक्रिया जारी है और प्रशासनिक स्तर पर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से अब बड़ी संख्या में असंगठित श्रमिकों को पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। प्रदेश सरकार के सतत प्रयासों और जिला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी के चलते यह योजना जमीनी स्तर पर मजबूत होती जा रही है। इस पीएम श्रम योगी मानधन योजना प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत आधार तैयार कर रही है और आने वाले समय में इससे और अधिक श्रमिकों के जुड़ने की उम्मीद है।

सीएम डैशबोर्ड की मार्च की रिपोर्ट में हमीरपुर पहले, बरेली दूसरे और रामपुर तीसरे स्थान पर

विकास कार्यों में आई तेजी, गुणवत्तापूर्ण हो रहे विकास कार्य

प्रभात समय संवाददाता

- 49 विभागों के 110 कार्यक्रमों की हर माह सीएम डैशबोर्ड से की जाती है समीक्षा
- टॉप फाइव जिलों में मैनपुरी और हरदोई ने बनाई जगह

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पिछले नौ वर्षों से समग्र विकास की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इस दौरान प्रदेश में न केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, बल्कि समाज के हर वर्ग का उत्थान भी सुनिश्चित किया जा रहा है। सीएम योगी के सपनों को साकार करने में सीएम डैशबोर्ड अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। सीएम डैशबोर्ड से जनसुनवाई, जन कल्याणकारी योजनाओं और राजस्व कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे जिलों को बेहतर प्रशासनिक मानक स्थापित करने में मदद मिल रही है। इसी कड़ी में सीएम डैशबोर्ड की मार्च की रिपोर्ट में प्रदेशभर में हमीरपुर ने बेहरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि बरेली ने दूसरा और रामपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

सीएम डैशबोर्ड द्वारा हर माह जिलों के राजस्व कार्यों, विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट जारी की जाती है। डैशबोर्ड द्वारा प्रदेशभर के जिलों में 49 विभागों के 110 कार्यक्रमों की विभिन्न मानकों के आधार पर समीक्षा की जाती है। इसके बाद जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। सीएम डैशबोर्ड की मार्च माह की रिपोर्ट के अनुसार हमीरपुर ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं बरेली जिले ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है जबकि रामपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट उन जिलों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करती है, जिन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकास कार्यों और राजस्व प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप रामपुर में विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। यही वजह है कि रामपुर पिछले कई माह से मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रिपोर्ट में टॉप टेन जिलों में अपने जगह बनाए हुए है। वहीं, हमीरपुर ने विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में 10 में से 9.55 अंक प्राप्त किए हैं। इसी तरह बरेली ने 9.54 अंक हासिल किये हैं। सीएम डैशबोर्ड रिपोर्ट के अनुसार रामपुर ने 10 में से 9.51 अंक प्राप्त किये हैं। इसी तरह मैनपुरी चौथे और हरदोई पांचवे पायदान पर है। वहीं टॉप टेन जिलों में शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, जालौन, सोनभद्र और कौशांबी ने जगह बनाई है।

भारत की कूटनीतिक चूक व पाकिस्तान की रणनीति

पश्चिम एशिया में ईरान, इजराइल और अमरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक कूटनीति को एक जटिल मोड़ पर ला खड़ा किया। जैसे-जैसे टकराव बढ़ा और युद्धविराम की संभावनाओं पर बातचीत तेज हुई, दुनिया की निगाहें उन देशों पर टिक गईं जो मध्यस्थता या समाधान की दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते थे। ऐसे समय में भारत से अपेक्षा थी कि वह अपने बढ़ते वैश्विक कद के अनुरूप सक्रिय हस्तक्षेप करेगा। लेकिन घटनाक्रम ने एक अलग ही परिदृश्य प्रस्तुत किया, जिसमें भारत अपेक्षाकृत सतर्क और सीमित भूमिका में नजर आया, जबकि पाकिस्तान ने इस अवसर को अपनी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ाने के लिए उपयोग किया। भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'रणनीतिक स्वायत्तता' रहा है। यह नीति भारत को वैश्विक शक्ति-संतुलन के बीच स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता देती है। शीत युद्ध के दौर से लेकर आज तक भारत ने न तो पूरी तरह किसी एक गुट का हिस्सा बनने का विकल्प चुना और न ही स्वयं को पूरी तरह अलग-थलग रखा। लेकिन वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में, जहां संघर्ष बहुआयामी और त्वरित होते हैं, यही स्वायत्तता कई बार निर्णयहीनता का रूप ले लेती है। ईरान-इजराइल-अमरीका तनाव के दौरान भारत का रुख इसी दुविधा को दर्शाता है। भारत के सामने एक कठिन संतुलन था। इजराइल उसके लिए रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सहयोगी है, जिससे उसे अत्याधुनिक तकनीक और सैन्य सहायता मिलती है। दूसरी ओर, ईरान भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं–जैसे चाबहार बंदरगाह–के लिए अहम है। वहीं अमरीका भारत का रणनीतिक साझेदार है, जिसके साथ व्यापार, तकनीक और सुरक्षा के क्षेत्र में गहरे संबंध हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के समर्थन में खुलकर आना भारत के लिए जोखिम भरा था। हालांकि, कूटनीति का उद्देश्य केवल जोखिम से बचना नहीं होता, बल्कि जटिल परिस्थितियों में अवसर तलाशना भी होता है। यही वह क्षेत्र था जहां भारत अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखा सका। BRICS जैसे मंच, जहां भारत एक प्रमुख भूमिका में है, संकट के समय सामूहिक पहल के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करते हैं। लेकिन इस संकट के दौरान भारत की ओर से न तो कोई ठोस मध्यस्थता प्रयास सामने आया और न ही किसी बहुपक्षीय संवाद की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसके विपरीत, चीन और रूस ने सक्रियता दिखाने की कोशिश की। भले ही उनके प्रयास पूरी तरह सफल नहीं रहे, लेकिन उन्होंने यह संकेत जरूर दिया कि वे वैश्विक संकटों में हस्तक्षेप करने की इच्छा और क्षमता रखते हैं। यह अंतर भारत की कूटनीतिक छवि पर भी प्रभाव डालता है, क्योंकि वैश्विक राजनीति में सक्रियता को अक्सर नेतृत्व के रूप में देखा जाता है। इसी बीच पाकिस्तान ने एक रणनीतिक अवसर को पहचान लिया। सीमित संसाधनों और अपेक्षाकृत कम वैश्विक प्रभाव के बावजूद उसने खुद को 'मुस्लिम दुनिया की आवाज' के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की। संयुक्त राष्ट्र और इस्लामिक सहयोग संगठन जैसे मंचों पर पाकिस्तान ने मानवीय संकट, अंतरराष्ट्रीय कानून और नैतिकता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। यह एक प्रकार की 'नैरेटिव डिप्लोमेसी' थी, जिसमें वास्तविक शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि वैश्विक समुदाय आपको किस रूप में देखता है। भारत के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण इसलिए भी रही क्योंकि वह स्वयं को वैश्विक दक्षिण का प्रतिनिधि और एक उभरती महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। क्व20 की अध्यक्षता और 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसे संदेशों ने भारत की वैश्विक छवि को मजबूत किया है। लेकिन जब वास्तविक संकट आता है, तो केवल सिद्धांतों और नारों से आगे बढ़कर ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होती है। यहां यह समझना महत्वपूर्ण है कि भारत की सतर्कता पूरी तरह अनुचित नहीं थी। पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय काम करते हैं, जिनकी सुरक्षा भारत की प्राथमिकता है। इसके अलावा, ऊर्जा आपूर्ति पर किसी भी प्रकार का प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। साथ ही, बड़े वैश्विक शक्ति-संतुलन में भारत को अपने दीर्घकालिक हितों को भी ध्यान में रखना होता है। लेकिन इन सभी कारणों के बावजूद, कूटनीति में पहल की कमी एक महत्वपूर्ण कमजोरी के रूप में सामने आती है। भारत के पास इस संकट में 'ब्रिज बिल्डर' बनने का एक अनूठा अवसर था। वह अमरीका के साथ रणनीतिक साझेदारी रखता है, इजराइल के साथ गहरे रक्षा संबंध हैं और ईरान के साथ ऐतिहासिक व सांस्कृतिक जुड़ाव है। यह स्थिति उसे उन कुछ देशों में शामिल करती है जो विभिन्न पक्षों के बीच संवाद स्थापित कर सकते हैं। लेकिन इस अवसर का पूर्ण उपयोग नहीं किया गया। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने 'नैरेटिव' पर ध्यान केंद्रित किया। उसने खुद को एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत किया जो मुस्लिम दुनिया के हितों और मानवीय मुद्दों की वकालत करता है। यह रणनीति भले ही सीमित प्रभाव वाली हो, लेकिन वैश्विक मीडिया और मंचों पर इसे पर्याप्त जगह मिली। इससे यह स्पष्ट होता है कि आज की कूटनीति केवल शक्ति संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि 'धारणा निर्माण' भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आगे के लिए भारत के सामने कई महत्वपूर्ण सबक हैं। सबसे पहले, उसे अपनी संकटकालीन कूटनीति को अधिक सक्रिय और लचीला बनाना होगा। केवल संतुलन बनाए रखने की नीति पर्याप्त नहीं है; समय-समय पर पहल करना भी आवश्यक है। दूसरा, बहुपक्षीय मंचों का उपयोग केवल औपचारिकता तक सीमित न रहकर, ठोस परिणाम हासिल करने के लिए किया जाना चाहिए। तीसरा, वैश्विक स्तर पर अपनी 'नैरेटिव बिल्डिंग' को मजबूत करना होगा, ताकि भारत की छवि केवल एक जिम्मेदार देश की नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली नेता की भी बने। इसके अलावा, भारत को अपनी कूटनीतिक संस्थाओं और तंत्र को भी अधिक सशक्त बनाना होगा, ताकि वे तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप कार्य कर सकें। डिजिटल कूटनीति, मीडिया प्रबंधन और जनसंपर्क जैसे क्षेत्रों में भी सुधार की आवश्यकता है, क्योंकि आज के दौर में सूचना का प्रवाह और उसकी प्रस्तुति भी कूटनीतिक प्रभाव को निर्धारित करती है। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि ईरान-इजराइल-अमरीका तनाव के दौरान उत्पन्न स्थिति ने भारत के लिए एक 'मिस्ड ऑपर्च्युनिटी' को उजागर किया। यह एक ऐसा अवसर था, जहां भारत अपनी कूटनीतिक क्षमता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा को व्यवहार में बदल सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कूटनीति में अवसर स्थायी नहीं होते। यदि एक देश उन्हें नहीं अपनाता, तो दूसरा देश उन्हें अपना लेता है। इस बार यह भूमिका पाकिस्तान ने निभाई। हालांकि, यह स्थिति स्थायी नहीं है। भारत के पास अभी भी अपनी रणनीति को सुधारने और भविष्य में अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाने का अवसर है। आने वाले समय में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह केवल एक संतुलित और सतर्क खिलाड़ी ही न रहे, बल्कि एक सक्रिय, निर्णायक और पहल करने वाला वैश्विक शक्ति केंद्र बने।

शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी चिंताजनक

स्नातकों और डिप्लोमा धारकों की बढ़ती संख्या के बावजूद यह कठोर वास्तविकता बनी हुई है। शिक्षा और रोजगार के अवसरों के बीच का अंतर एक महत्वपूर्ण बेमेल को उजागर करता है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में वृद्धि के कारण गुणात्मक शिक्षा और प्रशिक्षण में गिरावट आई है, क्योंकि कई संस्थानों में उचित मान्यता और संकाय की कमी है। उदाहरण के लिए कई कॉलेज घटिया शिक्षा प्रदान करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्नातक बेरोजगार हो जाते हैं। शिक्षित युवाओं में उच्च बेरोजगारी दर की समस्या का समाधान करने के लिए, भारत को कौशल विकास को बढ़ावा देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना होगा, श्रम–प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा देना होगा, उद्यमशीलता का समर्थन करना होगा और लैंगिक असमानताओं को दूर करना होगा। इन समाधानों को लागू करने से भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को आर्थिक विकास के एक शक्तिशाली इंजन में बदल पाना जरूरी है जिससे शिक्षित युवाओं के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होगा और एक अधिक समावेशी और मजबूत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

डा. वरिंदर भाटिया

हाल ही में आई एक उच्च शिक्षा की रिपोर्ट के अनुसार देश में युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 40 फीसदी तक पहुंच गई है। रिपोर्ट बताती है कि 20 से 29 आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और केवल 7 फीसदी को ही स्नातक होने के एक साल के भीतर स्थायी नौकरी मिल पाती है। देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही निश्चित वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के अनुसार 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' में पाया गया कि बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के भीतर केवल करीब सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च बनी हुई है। 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे। लेकिन स्वतंत्रता के बाद भारत ने शिक्षा से जुड़े कई अंतर को पाटने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लडक़ा-लडक़ी और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं, हालांकि इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है।

पिछले चार दशक में युवाओं की शिक्षा के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर 28 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी खास तौर पर बढ़ी है। हालांकि पुरुषों के नामांकन में गिरावट दर्ज की गई है। यह 2017 के 38 प्रतिशत से घटकर 2024 के अंत तक 34 प्रतिशत रह गई है। इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि पुरुष अपने परिवार की जरूरत को पूरा करने के लिए कमाने के अवसर तलाशने लगते हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों का दायरा भी बढ़ा है। प्रति लाख युवाओं पर कॉलेज की संख्या 2010 के 29 से बढक़र 2021 में 45 हो गई, जिसमें निजी संस्थानों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं और शिक्षकों की

कमी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षक-छात्र अनुपात काफी अधिक है। यह भी कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ खासकर निजी संस्थानों में गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढक़र 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है, लेकिन आर्थिक बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों, मसलन इंजीनियरिंग व मेडिकल में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र-छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है। आज पहले से अधिक युवा शिक्षित और जागरूक हैं और वे कुछ करने के इच्छुक हैं, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। देश में युवाओं (15-29 वर्ष) की उच्च शिक्षा तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि, रोजगार से जुड़ी चुनौतियां अब भी बरकरार हैं। स्नातक युवाओं को आय के मामले में लाभ मिलता है और उनकी शुरुआती कमाई गैर-स्नातकों के मुकाबले लगभग दोगुनी होती है।

इसके बावजूद 2011 के बाद युवा पुरुष स्नातकों के वेतन में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है। इसमें सामने आया कि युवा तेजी से कृषि क्षेत्र से हटकर विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों की ओर बढ़ रहे हैं। आज शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी एक गंभीर और महत्वपूर्ण विषय है। आज का युवा, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी बेरोजगारी के संकट का सामना कर रहा है, यह समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए एक चुनौती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार शिक्षा प्रणाली ऐसे कौशल नहीं सिखाती जो नौकरी के बाजार की मांग के अनुसार हों। सैद्धांतिक ज्ञान अधिक होता है, जबकि व्यावहारिक अनुभव की कमी होती है। आर्थिक विकास की गति धीमी होने के कारण कंपनियां नई भर्ती कम कर देती हैं। वैश्विक आर्थिक संकट भी इस पर असर डालता है। ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के कारण कुछ क्षेत्रों में नौकरियां कम हो रही हैं, जबकि नए तकनीकी क्षेत्रों में कौशल की आवश्यकता है। कुछ युवा उच्च वेतन वाली नौकरियों की उम्मीद में होते हैं और छोटे पैमाने की नौकरियों को स्वीकार नहीं करना चाहते, जिससे बेरोजगारी की स्थिति बनती है। सरकारी नीतियां और समर्थन : कभी-कभी सरकार की नीतियां रोजगार सृजन में प्रभावी नहीं होतीं या उनका क्रियान्वयन कमजोर होता है। सुझाव है कि शिक्षा प्रणाली में बदलाव कर व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को शामिल करना चाहिए, उद्यमिता को बढ़ावा देना और स्टार्टअप्स के लिए समर्थन देना आवश्यक है। युवा को कौशल विकास कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। राज्य सरकारों को रोजगार सृजन के लिए प्रभावी नीतियां बनानी चाहिए। भारत में युवा बेरोजगारी चिंताजनक रूप से उच्च बनी हुई है, जिसमें शिक्षित युवा, बेरोजगार कार्यबल का 83 फीसदी हिस्सा हैं।

स्नातकों और डिप्लोमा धारकों की बढ़ती संख्या के बावजूद यह कठोर वास्तविकता बनी हुई है। शिक्षा और रोजगार के अवसरों के बीच का अंतर एक महत्वपूर्ण बेमेल को उजागर करता है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में वृद्धि के कारण गुणात्मक शिक्षा और प्रशिक्षण में गिरावट आई है, क्योंकि कई संस्थानों में उचित मान्यता और संकाय की कमी है। उदाहरण के लिए कई कॉलेज घटिया शिक्षा प्रदान करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्नातक बेरोजगार हो जाते हैं। शिक्षित युवाओं में उच्च बेरोजगारी दर की समस्या का समाधान करने के लिए, भारत को कौशल विकास को बढ़ावा देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना होगा, श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा देना होगा, उद्यमशीलता का समर्थन करना होगा और लैंगिक असमानताओं को दूर करना होगा। इन समाधानों को लागू करने से भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को आर्थिक विकास के एक शक्तिशाली इंजन में बदल पाना जरूरी है जिससे शिक्षित युवाओं के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होगा और एक अधिक समावेशी और मजबूत अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

उपेक्षित आबादी बनाम वैश्विक एजेंडा

कैलाश चन्द्र

भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य जितना विशाल है, उतना ही जटिल भी है। इस जटिलता के बीच आज हमारे सामने दो वास्तविकताएँ खड़ी हैं। पहली, भारत के ग्यारह करोड़ से अधिक घुमन्तु, अर्धघुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजाति समुदाय जिन्हें डीएनटी, एनटी और एसएनटी के रूप में भी जाना जाता है, जोकि आज भी पहचान, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवाधिकारों की बुनियादी लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर एलजीबीटीक्यू प्लस समुदाय का मुद्दा है, जिसकी जनसंख्या लगभग पाँच से छह लाख मानी जाती है, किन्तु राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विमर्श में उसकी उपस्थिति अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जा रही है। एक ओर इतनी विशाल आबादी है जो अदृश्य बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर एक छोटा समुदाय वैश्विक एजेंडों और वित्तीय तंत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय बहस को प्रभावित कर रहा है। इस विरोधाभास ने एक बड़ा प्रश्न खड़ा किया है कि क्या हमारे राष्ट्रीय मुद्दों पर वैश्विक एजेंडों का कब्जा हो रहा है। भारत का जनजाति समाज गौरव, संघर्ष और उपेक्षा की एक लंबी कहानी अपने भीतर समेटे हुए है। भारत की जनजातियाँ, चाहे वे अनुसूचित जनजाति हों या घुमन्तु और अर्धघुमन्तु समुदाय, सदियों से भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग रही हैं। उनकी विवाह परम्पराएँ, कृषि-कौशल, वन-ज्ञान, संगीत और नृत्य की परम्परा, आत्मनिर्भर जीवन शैली और सांस्कृतिक स्वायत्तता, ये सभी भारतीय समाज के मूल स्वरूप से ही उत्पन्न हुए हैं, लेकिन औपनिवेशिक दौर में इनके परिचय को लेकर जान-बूझकर भ्रम पैदा किया गया। मैक्समूलर और मैकाले जैसे विद्वानों ने इंडीजिनस, एबोरिजिनल और ट्राइब जैसे विदेशी शब्दों को थोपकर भारतीय जनजाति समाज को मुख्यधारा से अलग दिखाने का प्रयास किया। ब्रिटिश शासन के लिए इसका उद्देश्य स्पष्ट था, वन-संपदा, खनिज और भूमि पर अपना अधिपत्य स्थापित करना। उद्योगों के विस्तार के नाम पर वन समुदायों के अधिकारों को कमजोर किया गया और क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट (1871) जैसे कानूनों ने पूरे के पूरे समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया। यह कलंक आज भी कई क्षेत्रों में सामाजिक व्यवहार का हिस्सा बना हुआ है। स्वतंत्र भारत में भी यह उपेक्षा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। रेंके कमीशन (2008) और इडेट कमीशन (2018) की रिपोर्टों के अनुसार देश में आठ से ग्यारह करोड़ के बीच घुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजातियाँ हैं, किंतु अब तक किसी भी जनगणना में इन्हें अलग श्रेणी के रूप में स्थान नहीं मिला है। सत्तर से अस्सी प्रतिशत लोगों के पास स्थायी पता, पहचान पत्र या आवास संबंधी दस्तावेज तक नहीं हैं। सरकारी योजनाएँ इन तक पहुँच ही नहीं पातीं, जिससे शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। रोजगार और आजीविका के अवसर भी इनके लिए बेहद सीमित हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब इतनी बड़ी आबादी अपनी बुनियादी पहचान तक से वंचित है, तब इसे राष्ट्रीय विमर्श में स्थान क्यों नहीं मिलता? इसके विपरीत एलजीबीटीक्यू प्लस विमर्श का वैश्विक स्तर पर तीव्र उत्थान देखा जा रहा है। यह स्वीकार करना आवश्यक है कि इस समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकार मिलना चाहिए, क्योंकि यह किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की बुनियादी जिम्मेदारी है, किंतु जब हम तुलना के स्तर पर देखते हैं तो एक स्पष्ट असंतुलन सामने आता है। एक ओर पाँच से छह लाख की अनुमानित आबादी वाला समुदाय है, जिसे राष्ट्रीय विमर्श में अत्यधिक स्थान प्राप्त है, वहीं दूसरी ओर आठ से ग्यारह करोड़ की घुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजातियाँ हैं, जिन्हें लगभग नगण्य स्थान मिलता है। यह स्थिति अपने आप में कई सवाल खड़े करती है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? अब इसे गहराई से समझें तो इसका एक उत्तर वैश्विक फंडिंग नेटवर्क में दिखाई देता है। फोर्ड फाउंडेशन, ओपन सोसाइटी फाउंडेशन्स, रॉकफ़ेलर नेटवर्क, ह्यूमन राइट्स फंड, यूएनडीपी इन्क्लूजन फंड और वैश्विक कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तंत्र जैसी संस्थाएँ भारतीय विश्वविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, मीडिया मंचों, सांस्कृतिक आयोजनों और डिजिटल अभियानों में भारी निवेश कर रही हैं। यह निवेश मुख्य रूप से एलजीबीटीक्यू प्लस और जेंडर फ्लुइडिटी जैसे एजेंडों के विस्तार के लिए किया जा रहा है।

भारतीयता में समाहित है वैश्विक कल्याण का मार्ग

प्रो. एस. के. सिंह

वर्तमान में अविश्वास की परतों से घिरी हुई विश्व व्यवस्था अनेक प्रकार के संघर्षों एवं अस्थिरताओं से जूझ रही है। ईरान बनाम अमेरिका-इजराइल युद्ध, अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई असंगत कार्यवाही, लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव एवं बढ़ती असहिष्णुता इस बात का प्रमाण है कि आज विश्व गहरे संकट से गुजर रहा है। वस्तुतः पिछले कुछ समय की सैन्य गतिविधियों को देखकर तो ऐसा लग रहा है कि विश्व-व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ा गई है एवं धीरे-धीरे दुनिया 'जंगलराज' की ओर बढ़ रही है। टैरिफ को लेकर ट्रंप के अपरिपक्व एवं गैर-जिम्मेदार रवैये तथा पल-पल बदलते उनके बचकाने बयानों ने भूमंडलीकरण के मूल उद्देश्यों पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। जिस भूमंडलीकरण को परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग एवं साझा प्रगति का आधार माना गया था, आज वह कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इन विषम परिस्थितियों में भारतीय दर्शन, भारत की संस्कृति अर्थात 'भारतीयता' एक ऐसा विकल्प है जो विश्व में स्थायी शांति, संतुलन, समन्वय एवं सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। हजारों सालों से पूरी पृथ्वी को एक मानने एवं मानवता के समग्र कल्याण पर आधारित 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' जैसे भारतीय सिद्धांतों में विकास और प्रगति का अर्थ किसी एक व्यक्ति या किसी एक राष्ट्र का हित नहीं बल्कि समग्र रूप में पूरी मानवता का कल्याण करना है, अर्थात 'स्व' से 'सर्व' की यात्रा ही भारतीयता है। भारतीयता के इस मूल भाव को भारतीय जीवन दृष्टि के विभिन्न पहलुओं में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। भारतीयता का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रकृति के साथ निकटता, सामंजस्य एवं संतुलन रखना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में वृक्षों, नदियों, पर्वतों एवं धरती को पूजनीय माना गया है, जिसमें यह मान्यता है कि प्रकृति के साथ समन्वय रखकर ही पृथ्वी को बचाकर जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। सत्य, परोपकार, त्याग, दया, करुणा, अहिंसा, सहिष्णुता, नैतिकता, भक्ति, समर्पण, संयम और राष्ट्रप्रेम जैसे भारतीय जीवन मूल्य, मूल्य-आधारित भारतीयता की आत्मा हैं। कई तरह की विविधताओं के बावजूद 'अनेकता में एकता' भी भारतीयता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। 'साईं इतना दीजिए जामें कुटुम्ब समाय' अर्थात हमें उतना ही संचय करना चाहिए, जितना आवश्यक है। भारतीय मूल्यों की यह गहन अभिव्यक्ति भारतीयता के उस पहलू को उजागर करती है जहां व्यक्तिगत और सामूहिक हित साथ-साथ चलते हैं। इसके विपरीत पाश्चात्य चिंतन के मूल में व्यक्ति, भौतिकता, बाहरी दुनिया एवं बाहरी उपलब्धियां हैं। इसलिए पश्चिम का मूल स्वभाव स्वार्थ है न कि सद्भाव। जिसके कारण कभी-कभी किसी एक व्यक्ति की अनैतिक एवं अनुचित महत्वाकांक्षाओं का खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ता है। ईरान, अमेरिका-इजराइल युद्ध के चलते पूरी दुनिया में इंटरनेट बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। अनगिनत लाभ के बावजूद अनियंत्रित लालच तथा विज्ञान एवं तकनीक पर

अत्यधिक निर्भरता हमारे विनाश का कारण भी बन सकती है। भारत का स्पष्ट मानना है कि विज्ञान का उपयोग मानवता एवं मानव कल्याण के लिए होना चाहिए न कि व्यक्तिगत लाभ तथा भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ एवं प्रभुत्व स्थापित करने के लिए। यही कारण है कि 16 से 20 फरवरी, 2026 को दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' रखी गई थी। इसके पूर्व नई दिल्ली में ही आयोजित जी-20 के शिखर सम्मेलन की मुख्य थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' थी, जिसमें वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का नारा दिया गया था। स्पष्ट है कि भारत को जब भी दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, भारत ने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। चूंकि विस्तारवादी सोच की शुरुआत हमेशा लालच से होती है, इसलिए भारतीय चिंतन में इस सोच को कभी भी प्रश्रय नहीं दिया गया। आध्यात्मिकता भारतीय चिंतन की मूल विशेषता है, इसलिए भारतीयता के हर पहलू में हमें इसकी झलक दिखाई देती है। सदियों से भारत में शिक्षा को विद्या, छात्र को विद्यार्थी एवं शिक्षक को गुरु कहा जाता था। शिक्षा हमें बाहरी ज्ञान एवं जीवनयापन सिखाती है, जबकि विद्या एक आंतरिक गुण है जो कि हमारे विवेक, संस्कारों एवं आचरण से जुड़ी होती है तथा हमें सही एवं गलत में भेद करना सिखाती है। शिक्षा सिर्फ सफलता तक सीमित रहती है जबकि विद्या हमें सार्थकता तक ले जाती है। श्री विष्णु पुराण में उल्लेख है कि 'तत्कर्म यन्न बन्धाय, सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है जो मुक्त करे। यही कारण है कि भारतीयता में आत्म-बोध अर्थात आत्म-साक्षात्कार पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा वह है जिसे प्राप्त करने के बाद विनम्रता आए एवं व्यक्ति, व्यक्तिगत लाभ की जगह सामूहिक हित को प्राथमिकता दे, इसलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में कहा गया है कि 'विद्या ददाति विनयं' अर्थात सच्ची विद्या से व्यक्ति में विनम्रता आती है। भारतीय ज्ञान परंपरा त्याग, परोपकार एवं आत्मबोध पर आधारित होने के कारण संयम, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यबोध की भावना उत्पन्न करती है, जबकि पाश्चात्य ज्ञान परंपरा तर्क, विज्ञान एवं भौतिकता पर आधारित होने के कारण प्रतिस्पर्धा, अहंकार, श्रेष्ठता-बोध एवं आत्मकेन्द्रित बनाती है।

यहां स्पष्ट है कि दुनिया में यदि स्थायी शांति एवं सद्भाव स्थापित करना है तो हमें भारतीयता के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना होगा। यहां पर यह उल्लेख करना आवश्यक है कि अतीत की ओर लौटना ही भारतीयता नहीं है, बल्कि 'नित्य नूतन, चिर पुरातन' की सोच के साथ भविष्य के लिए एक संतुलित एवं मानवीय मार्ग का निर्माण करना भारतीयता का एक प्रमुख गुण है। यह केवल अतीत की धरोहर नहीं बल्कि भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत है। पर्यावरणीय असंतुलन, नैतिक पतन एवं सामाजिक विघटन के इस दौर में भारतीयता के मूल तत्वों से प्रेरित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'पंच परिवर्तन' न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि भारतीयता का मूल आधार भौगोलिक सीमाएं नहीं बल्कि समस्त जड़-चेतन एवं मानवता है।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

दो करोड़ की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

अमेठी। जनपद अमेठी में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत मुसाफिरखाना कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अंतरराज्यीय नशीले पदार्थ के तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 2 करोड़ रुपये कीमत की अवैध स्मैक बरामद की है।

क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना मुसाफिरखाना पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान वाराणसी की ओर से आ रही एक संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन कार सवार भागने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपित अजीत गुप्ता के पास से 150 ग्राम स्मैक तथा कार से 1100 ग्राम स्मैक बरामद हुई। इस प्रकार कुल 1 किलो 250 ग्राम स्मैक बरामद की गई। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अजीत गुप्ता निवासी नावाडीह, थाना पथलगड्डा, जनपद चतरा (झारखंड) तथा सोनू कुमार साहू निवासी सजवी जोरी, थाना वशिष्ठ नगर, जनपद चतरा (झारखंड) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे झारखंड से स्मैक लाकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सप्लाई करते थे और पुलिस से बचने के लिए लिंक मार्गों का इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से स्मैक ढुलाई में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, दो मोबाइल फोन, 12 एटीएम/डेबिट कार्ड तथा 4750 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। वाहन के कागजात प्रस्तुत न करने पर उसे मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। इस मामले में थाना मुसाफिरखाना में मुकदमा एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त सोनू कुमार साहू के विरुद्ध झारखंड में पूर्व से एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि यह अंतरराज्यीय गिरोह लम्बे समय से सक्रिय था और पुलिस इसके पूरे नेटवर्क एवं सप्लाई चेन की जांच में जुटी हुई है। जल्द ही इस मामले में और बड़े खुलासे होने की सम्भावना है।

बरेका केंद्रीय चिकित्सालय में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

❒ बोले वक्ता—शरीर में कंपन, अकडन की मुद्रा, बोलने व सीखने में बदलाव लक्षण

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। विश्व पार्किंसंस दिवस पर शनिवार को बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) के केन्द्रीय चिकित्सालय में स्वास्थ्य जागरूकता व स्वास्थ्य परीक्षण अभियान का आयोजन किया गया। बरेका महाप्रबंधक आशुतोष पंत के दिशा-निर्देशन तथा अस्पताल के प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेश कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकों ने कहा कि दुनिया में सबसे तेजी से फैल रही इस तंत्रिका संबंधी बीमारी के प्रति जागरूकता बेहद आवश्यक है। विश्व पार्किंसंस दिवस हर साल 11 अप्रैल को मनाया जाने वाला एक वैश्विक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य पार्किंसंस रोग के बारे में लोगों को जागरूक करना है।

इसके पहले कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेश कुमार ने इस वर्ष के विश्व पार्किन्सन दिवस की थीम 'देखभाल की कमी को दूर करना' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पार्किन्सन रोग, न्यूरो संबंधी बीमारी है जिसमे व्यक्ति की चाल गति संतुलन व समन्वय प्रभावित हो जाती है। शरीर में कंपन, अकड़न की मुद्रा, बोलने व सीखने में बदलाव हो जाता है। जिससे दुर्घटना ग्रस्त व हड्डियों में फ्रैक्चर की सम्भावना बढ़ जाती है। अतः शारीरिक श्रम व पौष्टिक भोजन व रोकथाम के लिए देखभाल व शीघ्र उपचार पर ध्यान देना चाहिए। चिकित्सालय के वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी एवं वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ विजय सिंह ने हड्डियों की मजबूती तथा उपचार पर व्याख्यान दिया। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नई दिल्ली के वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ अभिनव कुमार ने अस्थि रोग के उन्नत रोबोटिक सर्जरी की जानकारी दी और इससे जुड़े शंकाओं का भी समाधान किया। स्वास्थ्य कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल चिकित्साधिकारी एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ मधुलिका सिंह, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ अमित गुप्ता, डॉ गौरव सिंह एवं डॉ अभिषेक ने भी बेहतर जीवन शैली पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम में मुख्य नर्सिंग सुपरिटेन्डेन्ट कमला श्रीनिवासन, चंद्रकला राव, सीता कुमारी सिंह, एलिस कुजूर, आरती, उषा जैसल, संजूलता गौतम, कार्यालय अधीक्षक राजेश कुमार आदि भी उपस्थित रहे।

गोमती नगर-बांद्रा टर्मिनस के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल ने ग्रीष्मकाल में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए गोमती नगर से बांद्रा टर्मिनस के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 13 अप्रैल से 12 मई तक कुल पांच फ़ेरों के लिए संचालित की जाएगी।

रेल प्रशासन के अनुसार, 05033 गोमती नगर-बांद्रा टर्मिनस ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 13 अप्रैल से 11 मई तक प्रत्येक सोमवार को गोमती नगर से दोपहर 2 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन बादशाहनगर, डालीगंज, सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी, पीलीभीत और इज्जतनगर होते हुए कासगंज, मथुरा, भरतपुर, कोटा, रतलाम, वडोदरा, सूरत और वापी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव के बाद अगले दिन शाम 8 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। वहीं वापसी में 05034 बांद्रा टर्मिनस-गोमती नगर विशेष गाड़ी 14 अप्रैल से 12 मई तक प्रत्येक मंगलवार को रात 11 बजे बांद्रा टर्मिनस से रवाना होगी। यह ट्रेन बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, मथुरा और कासगंज होते हुए दूसरे दिन इज्जतनगर, पीलीभीत, लखीमपुर और सीतापुर के रास्ते सुबह 7:35 बजे गोमती नगर पहुंचेगी।

इस विशेष ट्रेन के संचालन से बरेली मंडल के यात्रियों को मुम्बई जाने और आने में काफी सहूलियत मिलेगी। गर्मी के मौसम में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह सुविधा यात्रियों के लिए राहत भरी साबित होगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन में कुल 22 कोच लगाए जाएंगे। इनमें एक जनरेटर सह लगेज यान, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी, छह शयनयान, दो वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, आठ वातानुकूलित तृतीय श्रेणी और एक एलएसएलआरडी कोच शामिल हैं।

वाराणसी के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं को मिलेगी मुफ्त वाई-फाई की सुविधा

❒ महापौर ने अस्सी घाट से किया शुभारंभ, प्रथम चरण में अस्सी और दशाश्वमेध घाट चयनित

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक नगरी वाराणसी (काशी) के गंगाघाटों पर भ्रमण के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को मुफ्त वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। शनिवार को महापौर अशोक तिवारी ने अस्सीघाट पर आयोजित समारोह में इसकी शुरूआत की।

घाट पर निःशुल्क वाई-फाई सेवा का विधिवत लोकार्पण कर महापौर ने कहा कि प्रथम चरण में इस परियोजना के तहत अस्सी और दशाश्वमेध घाट को हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा से जोड़ दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा शहर को आधुनिक स्मार्ट सिटी बनाने के संकल्प का हिस्सा है। इस मुफ्त वाई-फाई सेवा का आगाज़ अस्सी घाट से किया जा रहा है, जिसका लाभ दशाश्वमेध घाट पर भी मिलेगा। वर्तमान समय में इंटरनेट एक बुनियादी आवश्यकता है। घाटों पर आने वाले युवाओं, शोधार्थियों और पर्यटकों को अब कनेक्टिविटी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। यह डिजिटल पहल सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाने के साथ ही नगर निगम की सेवाओं को भी जनता के करीब ले जाएगी। महापौर ने कहा कि घाटों पर फ्री वाई-फाई जोन के बोर्ड लगाए गए हैं। नागरिक वहां दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर आसानी से इंटरनेट सेवा का लाभ ले सकते हैं। उपसभापति नरसिंह दास के अनुसार, वर्तमान समय पूरी तरह से डिजिटल क्रांति का है, जो हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर रहा है। मुफ्त वाई-फाई की सुविधा का उद्देश्य आम नागरिकों को डिजिटल तकनीक में सशक्त बनाना है। बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि नेटवर्क की गति और रेंज का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि भीड़ वाले समय में भी सुचारू कनेक्टिविटी बनी रहे। इस अवसर पर पार्षद राजेश कुमार यादव चल्लू, पार्षद विजय द्विवेदी, अमित सिंह, रविंद्र कुमार सिंह, माधुरी सिंह आदि भी मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों के जीवन में घुलेगी सुरों की मिठास, योगी सरकार देगी 6 लाख की मदद

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश के हर वर्ग के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में बांदा जिले के दिव्यांगजन और श्रवण बाधित बच्चों के लिए सरकार की तरफ से एक बड़ी खुशखबरी है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित शल्य चिकित्सा अनुदान योजना के अंतर्गत अब गरीब परिवारों के बच्चों को सुनने और बोलने की शक्ति वापस मिल सकेगी। सरकार कॉक्लियर इम्प्लांट के लिए 6 लाख रुपये तक की भारी-भरकम सहायता राशि प्रदान कर रही है।

योजना का लाभ लेने के लिए अभिभावकों की वार्षिक आय गरीबी रेखा की सीमा (ग्रामीण क्षेत्र में 46080 रूपए और शहरी क्षेत्र में 56460 रुपए) के दोगुने से अधिक नहीं होनी चाहिए। जिले के पात्र लाभार्थी अपने दस्तावेज जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ लेने के लिए पात्रता की जांच कराना अनिवार्य है। इच्छुक अभिभावक अपने बच्चों के दस्तावेजों के साथ 30 अप्रैल 2026 तक आवेदन सुनिश्चित करें। सरकार की इस पहल से जनपद के सैकड़ों दिव्यांगजन मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे और एक सामान्य जीवन व्यतीत कर पाएंगे। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राज बहादुर सिंह ने बताया कि 1 से 5 वर्ष तक के श्रवण बाधित बच्चों के लिए काक्लियर इम्प्लांट एक वरदान साबित होगा।

अक्सर आर्थिक तंगी के कारण गरीब माता-पिता अपने बच्चों का इतना महंगा इलाज नहीं करा पाते थे। लेकिन योगी सरकार ने इस बाधा को दूर कर दिया है। इसके अलावा अन्य दिव्यांगजनों की करेक्टिव सर्जरी सुधारात्मक शल्य चिकित्सा के लिए भी 10000 रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है।

मंडल रेल प्रबंधक ने बरेली स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को परखा

प्रभात समय संवाददाता

मुरादाबाद। मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने शनिवार को मुरादाबादऽरोजा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शाहजहांपुर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की। बरेली स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म, पॉवर केबिन स्टेशन यार्ड का निरीक्षण करते हुए स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को परखा।

उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि मुरादाबाद रेल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने मुरादाबादऽरोजा रेल खंड का व्यापक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान रेल संरक्षा, परिचालन व्यवस्था एवं यात्री सुविधाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण क्रम में शाहजहांपुरऽबंथरा रेल खंड स्थित समपार फाटक संख्या 325-सी का निरीक्षण करते हुए संरक्षा मानकों की समीक्षा की गई एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष बल दिया। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्रता से पूर्ण किए जाएं, जिससे यात्रियों को आधुनिक एवं उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इसके पश्चात बरेली रेलवे स्टेशन पर पॉवर केबिन, प्लेटफॉर्म एवं स्टेशन यार्ड का निरीक्षण किया गया। साथ ही स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का भी परखा। निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) पारितोष गौतम, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रास्ट्रक्चर) प्रेमशंकर झा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (सामान्य) चेतन तनेजा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक सिद्धार्थ, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) जन्मेजय उपाध्याय, वरिष्ठ मंडल अभियंता (तृतीय) करन प्रीत सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (परिचालन) आशु कुमार वर्मा आदि रहे।

क्विक न्यूज

समाधान दिवस का किया गया आयोजन

शुक्लागंज, उन्नाव। शनिवार को गंगाघाट कोतवाली परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों का मौके पर निस्तारण करने का प्रयास किया गया। इस दौरान एसएसपी जय प्रकाश सिंह, एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ सिटी दीपक यादव ने स्वयं उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनीं। आयोजन की कमान इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह ने संभाली, जहाँ राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में कुल 6 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 4 मामले राजस्व विभाग से और 2 मामले पुलिस विभाग से संबंधित थे। एसएसपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस और राजस्व के एक-एक मामले का मौके पर ही निस्तारण करा दिया। शेष 4 मामलों के प्रभावी समाधान के लिए एसएसपी ने संबंधित विभाग के कर्मियों को निर्देशित किया कि वे मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और समयबद्ध तरीके से समस्याओं का हल निकालें।

मार्ग दुर्घटना में अधेड़ गंभीर रूप से घायल

सफीपुर। कस्बे के संजय टी स्टाल के समीप शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पैदल सड़क पार कर रहे अधेड़ मजदूर को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के खादिम अली खेड़ा गांव निवासी मुन्ना (50) पुत्र मैकू आम के बाग की रखवाली करता है। शनिवार दोपहर वह संजय टी स्टाल के पास सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल मुन्ना को निजी साधन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नवागत सीओ व नायब तहसीलदार ने सुनी जन समस्याएं

पुरवा-उन्नाव। थाना समाधान दिवस में नवागत पुलिस उपाधीक्षक व नायब तहसीलदार ने कोतवाली में समस्याएं सुनी और शीघ्र निस्तारण हेतु मातहतों को निर्देश दिए। सीओ ने कोतवाली में बने बाल गृह का भी निरीक्षण किया। शनिवार को स्थानीय कोतवाली में थाना समाधान दिवस पर नवागत पुलिस उपाधीक्षक अरविंद चौरसिया व नायब तहसीलदार कृष्णानंद बाजपेई ने फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण हेतु मातहतों को निर्देशित किया। पुरवा में कुल दस मामले आए जिनमें से सात पुलिस व तीन राजस्व के प्रकरण रहे। समाधान दिवस के बाद सीओ अरविंद चौरसिया ने बालगृह का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक भवन सिंह मौर्य, कस्बा इंचार्ज सियाराम चौरसिया समेत पुलिस व राजस्व के कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम के निर्देश पर एंटी भू-माफिया अभियान के तहत ढ़हाया गया अवैध कब्जा

पुरवा-उन्नावः- जिलाधिकारी के निर्देशानुसार संचालित एंटी भू-माफिया अभियान के अंतर्गत शनिवार को ग्राम पारा में अवैध कब्जे को तहसील प्रशासन द्वारा ढ़हाया गया। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव के निर्देश पर तहसील प्रशासन ने बुलडोजर कार्यवाही की। स्थानीय तहसील के परगना मौरावां अंतर्गत ग्राम पारा में स्थित भूमि संख्या 1693 ख, रकबा 0.038 हेक्टेयर (ऊसर), जिसकी बाजार कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है, पर अवैध कब्जे के प्रयास को निरस्त किया गया। उक्त भूमि पर सोहन पुत्र लोधेश्वर, निवासी घीनाखेड़ा मजरा पारा द्वारा पिलर आदि बनाकर अवैध कब्जा किया जा रहा था। इस संबंध में ग्राम प्रधान एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत के क्रम में उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव के आदेशानुसार नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी एवं क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त अस्थायी अतिक्रमण को हटाया गया तथा भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में कठोर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

यूपी और मध्य प्रदेश के मंदिरों में चोरी करने वाले तीन चोर और एक सुनार गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के मंदिरों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अन्तराज्यीय गिरोह के तीन चोर और एक सुनार को चित्रकूट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी का 7 किलो 318 ग्राम चांदी, हनुमान जी का गदा,आरती की थाली और 65 हजार 700 की नगदी सहित घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद हुआ है।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने शनिवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि बीते दिनों चित्रकूट के भरतकूप मंदिर,बाल हनुमान आश्रम और अकेलवा बाबा आश्रम में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देकर मूर्तियों के चांदी से बने मुकुट,क्षत्रक और गदा सहित पूजा सामग्री चोरी किया था। चोरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगी थी। पुलिस ने शनिवार को एक सुनार समेत चार चोरों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए चोरों में आगरा निवासी विजय कुमार शुक्ला, बिजनौर का रहने वाला बाबरशाह और कौशांबी का रहने वाला मोहन पटेल है। चौथा आरोपित चोरी के जेवर खरीदने वाला फतेहपुर निवासी सुनार कामता प्रसाद है। आरोपित विजय इन सभी का सरगना है, जो करीब 20 सालों से यहां से लापता है। उसने अपना गुनाह स्वीकारते हुए बताया कि उसने सबसे पहले मूर्ति चोरी की घटना किया था। इसके बाद एक कत्ल किया था। उसकी हिस्ट्री खुली तो वो यहां से भागकर आगरा में रहने लगा। जड़ी बूटी तेल व्यवसाय के सिलसिले से फिर वापस चित्रकूट आया और इस धंधे में शामिल हो गया।

पूछताछ में उसने बताया है कि वह शनिवार और मंगल को चोरी नहीं करता है इसलिए अपने मुस्लिम साथी बाबरशाह से चोरी करवाता है। मंदिरों को इसलिए निशाना बनाते थे क्यों कि उन्हें चोरी करने में आसानी रहती है और रात में मंदिर बंद कर पुजारी भी घर चले जाते हैं। चोरी से पहले वह मंदिर की रेकी करते थे। विजय के फोन में चित्रकूट के कई मंदिरों की फोटो भी मिली है उन्हें आशंका है कि इसने कई राज्यों में ऐसी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चोरों ने चित्रकूट में तीन चोरी, एक फतेहपुर की चोरी, एक बांदा की चोरी और एक नया गांव सतना की कुल 6 चोरी की घटनाएं स्वीकारी हैं। इनसे शत प्रतिशत चोरी का सामान भी बरामद हो गया है। चोरी की घटना का खुलासा करने वाली टीम को उनकी तरफ से 25 हजार का इनाम दिया जा रहा है। जिन पुलिस कर्मियों ने सीसीटीवी की मदद से इन चोरों को ट्रैप किया उन तीन पुलिस कर्मियों को सीनियर अधिकारियों से प्रशस्ति पत्र दिलाने के लिए भी आगे की कार्यवाही की जाएगी

यात्रियों से जहरखुरानी करने वाले पिता-पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की शाहगंज और खेतासराय पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को जहरखुरानी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किय हैं। गिरोह में शामिल पिता-पुत्र समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, नशीला पदार्थो की सप्लाई करने वाला झोलाछाप डॉक्टर अब भी फरार है।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने शनिवार को पुलिस लाइन सभागार में घटना का खुलासा करते हुए बताया कि शाहगंज और खेतासराय पुलिस की संयुक्त टीम ने चिरैया मोड़, बिलार मऊ रोड पर चेकिंग के दौरान तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है।इनकी पहचान आजमगढ़ जिले के शंभुपुर ब्लूअह्वा निवासी हनुमान निषाद, उनका बेटा अंकित निषाद और आकाश यादव के रूप हुई हैं। इनके पास से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, नशीला पाउडर, एक अल्टो कार और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई है।

पूछताछ में अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वह लोग गिरोह बनाकर पहले बस या ट्रेन में सफर करते हुए यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखते और अनुमान लगाते है कि उनके पास कितना कीमती सामान हो सकता है। फिर वह लोग यात्री से दोस्ती करते थे फिर उनको विश्वास में लेकर चाय, कॉफी या अनार के जूस में डायजापाम और नशीला पदार्थ मिलाकर पिला देते हैं। नशीला पदार्थ सेवन के 15 से 20 मिनट के भीतर ही यात्री बेहोश हो जाता फिर उनके कीमती सामान लेकर फरार हो जाते हैं। लूटे गए गहनों को जलालपुर क्षेत्र में बेचा जाता था।

एएसपी नगर ने बताया कि यक्ष एप की मदद से पुलिस ने पहले अंकित निषाद की पहचान की, जिसके बाद पूरे गिरोह तक पहुंच बनाई गई। पीड़ितों को फोटो दिखाने पर उन्होंने आरोपितों की पहचान भी की। यह गिरोह आजमगढ़, सुल्तानपुर और भदोही सहित कई जिलों में वारदातों को अंजाम दे चुका है। अपराधी हनुमान निषाद पर 38, अंकित निषाद पर 33 और आकाश यादव पर 10 मुकदमे दर्ज हैं। तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, इन लोगों को नशीला पदार्थ उपलब्ध कराने वाला झोलाछाप डॉक्टर विपिन प्रजापति अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

दुर्घटना ग्रस्त वाहन से 6.5 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में लम्भुआ थाना क्षेत्र के वंदना ढाबा के पास हुए एक सड़क हादसे जांच के दौरान पुलिस को एक क्षतिग्रस्त कार से 6.5 किलो अवैध गांजा मिला हैं। इस मामले में पुलिस ने शनिवार को लखनऊ के दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया।

अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार सुलतानपुर-वाराणसी हाईवे पर एक कार (यूपी 32 ईजेड 9200) अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए विपरीत दिशा से आ रही एक इनोवा (यूपी 65 डीएस 7004) से जा टकराई थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही लम्भुआ पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को एम्बुलेंस के जरिए सीएचसी लम्भुआ भिजवाया। जब पुलिस टीम क्षतिग्रस्त वाहन के पास पहुंची, तो गाड़ी के अंदर से गांजे की तेज गंध आ रही थी। सघन तलाशी लेने पर गाड़ी के अंदर रखे पीले और हरे रंग के बंडलों से कुल 6 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से जब पुलिस ने पूछताछ की तो वे टालमटोल करने लगे। कड़ाई से पूछताछ और त्रिनेत्र व ' यक्ष एप' के जरिए आपराधिक इतिहास खंगालने पर सच्चाई सामने आई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान लखनऊ के राजाजीपुरम निवासी हर्ष यादव उर्फ ईशू और न्यू पारा कॉलोनी के रहने वाले अभिषेक अग्निहोत्री के रूप में हुई है।

पूछताछ में मुख्य आरोपित हर्ष यादव ने पुलिस को बताया कि कि वे इस गाड़ी का इस्तेमाल लंबे समय से गांजा तस्करी के लिए कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपित हर्ष के खिलाफ पहले भी लखनऊ के तालकटोरा थाना में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त वाहन को ज़ब्त करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

क्विक न्यूज

प्रयागराज टिकट चेकिंग अभियान में 1413 यात्रियों से सवा नौ लाख जुर्माना

प्रयागराज। प्रयागराज मण्डल यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए टिकट चेकिंग अभियान चलाता रहता है। शुक्रवार को देर रात तक चले अभियान में कुल 1413 यात्रियों को विभिन्न अनियमितताओं के तहत प्रभारित किया गया। जिनसे कुल 9,24,590 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने शनिवार को देते हुए बताया कि इसमें 645 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से 5,35,170 रुपए, 757 अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से 3,88,220 रुपये तथा 11 यात्रियों से धूम्रपान एवं गंदगी फैलाने के लिए 1200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। उन्होंने बताया कि मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित अग्रवाल के सुपरविजन में सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत प्रयागराज मण्डल के विभिन्न स्टेशनों एवं 72 से अधिक ट्रेनों में विशेष जांच की गई। टिकट जांच स्टाफ द्वारा गहन निरीक्षण करते हुए बिना टिकट यात्रा करने वालों, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों, धूम्रपान करने वालों तथा अनबुक्ड लगेज ले जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। उन्होंने यह भी कहा कि रेल प्रशासन हमेशा यात्रियों से अपील करता है कि वे रेल यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें, वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें तथा रेल परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखें।

वीआईपी ड्यूटी के दौरान दारोगा की हार्ट अटैक से मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में तैनात एक दारोगा की शनिवार को वीआईपी ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। इस घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर है। चिकित्सकों का कहना है कि हृदय गति रुकने से उनका निधन हुआ है। पुलिस उपायुक्त यमुना नगर विवेक चन्द्र यादव ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि उपनिरीक्षक नकछेद नाथ कनौजिया मूलरूप से अयोध्या जनपद के निवासी थे। उनकी तैनाती प्रयागराज के बारा थाना में थी। शनिवार को यूपी की राज्यपाल का जिले का दौरा निर्धारित था, इसलिए उन्हें दिल्ली पब्लिक स्कूल में वीआईपी ड्यूटी पर लगाया गया था। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर सहकर्मी आनन-फानन में उन्हें नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने दारोगा को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। विभाग की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

पड़री मल्ल में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

देवरिया। जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पार करते समय शनिवार को ट्रेन के चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना चकियवा रेलवे ढाला को पार करते समय दुर्घटना हुई। मृतका की पहचान संकेसिया देवी (50) पत्नी राम भरोसे प्रसाद, निवासी गौर कोठी, बरियारपुर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक वह अपने रिश्तेदार के घर पिपरा बैरोना गई थीं। वहां से वापस लौट रही थीं। पड़री मल्ल के पास रेलवे ढाला पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गईं। परिजनों के अनुसार संकेसिया देवी को कम सुनाई देता था, जिससे संभवतः उन्हें ट्रेन के आने का आभास नहीं हो सका और यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

किसान की संदिग्ध मौत पर अंतिम संस्कार के दौरान हंगामा

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद शनिवार को उस समय हंगामा हो गया, जब अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान उसकी पत्नी मौके पर पहुंच गईं। महिला ने विरोध शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, विलावा गांव निवासी किसान साहब सिंह पाल (50) शुक्रवार सुबह अपने खेत पर मृत पाए गए। परिजनों का कहना है कि वह टीबी के मरीज थे और लंबे समय से उनका इलाज चल रहा था। आज शव के अंतिम संस्कार की तैयारी के बीच मृतक की पत्नी मंजो देवी अपनी बहन सरला देवी के साथ मौके पर पहुंचीं और जमीन को लेकर आपत्ति जताते हुए हंगामा करने लगीं।

सोनभद्र में दो ट्रकों की टक्कर के बाद लगी आग, दो की जिंदा जलकर मौत

प्रभात समय संवाददाता

सोनभद्र। हाथीनाला थाना क्षेत्र के हथवानी गांव के समीप वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर शनिवार शाम लगभग 5 बजे दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई, जिससे उनमें सवार दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और देखते ही देखते उनमें आग लग गई। हादसे में ट्रकों में सवार ड्राइवर और खलासी फंस गए। सूचना मिलते ही हाथीनाला और रेणुकूट पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। काफी प्रयास के बाद एक ट्रक चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिसे गंभीर हालत में हिंडाल्को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, दो अन्य लोग बुरी तरह फंसे होने के कारण जिंदा जल गए। एक अन्य खलासी के भी वाहन में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन ट्रक पूरी तरह जल जाने और क्षतिग्रस्त होने के कारण उसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, सीओ पिपरी हर्ष पांडे और सीओ ओबरा अमित कुमार के साथ कई थानों की फोर्स भी मौके पर पहुंच गई है। आग बुझाने के लिए अल्ट्राटेक सीमेंट, चोपन फायर स्टेशन और हिंडाल्को की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि रेणुकूट की ओर से जा रही हाईवा में राख लदी थी, जबकि सामने से आ रहे ट्रक में अमूल कंपनी का दूध (200 मिलीलीटर के पैकेट) भरा हुआ था, जो हादसे के बाद सड़क पर बिखर गया। दुर्घटना के बाद मार्ग के दोनों ओर लंबा जाम लग गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए यातायात पुलिस ने मुर्धवा मोड़ पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों को दुद्धी मार्ग की ओर डायवर्ट कर दिया है। फिलहाल मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ई-रिक्शा बैटरी चोरी गैंग का पर्दाफाश

प्रभात समय संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले की मौदहा पुलिस ने ई-रिक्शा की बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का शनिवार को खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पांच बैटरियां और एक चारपहिया वाहन बरामद किया है। क्षेत्राधिकारी राजकुमार पांडेय ने बताया कि 9 अप्रैल 2026 को उरदना निवासी रोहित की तहरीर पर ई-रिक्शा से बैटरी चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपितों की पहचान कर ली। शनिवार को पुलिस टीम ने कपसा मोड़ से बांदा जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर तीनों आरोपितों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपितों में जावेद निवासी आबू नगर, काली शंकर निवासी फिरोजपुर मजरा जाफराबाद और आमिर उर्फ बबलू निवासी लाला बाजार, जनपद फतेहपुर शामिल हैं। तलाशी के दौरान उनके पास से पांच ई-रिक्शा बैटरियां और एक वैगनआर कार बरामद हुई। पुलिस ने बरामद वाहन को सीज कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, मामले में अन्य धाराएं बढ़ाते हुए आरोपितों को न्यायालय भेजा जा रहा है और आगे की कार्रवाई जारी है।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत, चचेरा भाई घायल

प्रभात समय संवाददाता

ओरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जनपद के अयाना थाना क्षेत्र स्थित जुहीखा सेंगनपुर मार्ग पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार लोडर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में एक किसान की मौत हो गई, जबकि उसका चचेरा भाई घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया।

अयाना थानाध्यक्ष जयप्रकाश पाल ने शनिवार बताया कि माधौगढ़ थाना क्षेत्र के रामहेतपुरा निवासी अशोक ने बताया कि 15 अप्रैल को उसकी शादी है। इसके चलते वह अपने चचेरे भाई रोहित (50) के साथ शुक्रवार को भीखेपुर स्थित रिश्तेदारी में कार्ड देने आया था। शाम को घर लौटने के दौरान कुआंगांव के पास पहुंचने पर तेज रफ्तार लोडर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में रोहित की मौके पर मौत हो गई, जबकि अशोक घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया। घटना की जानकारी पर रोहित के भाई राजाबाबू, चंद्रशेखर अस्पताल पहुंचे। राजाबाबू ने बताया कि भाई रोहित अविवाहित और खेती किसानी करके परिवार का भरण पोषण करता थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले में पीड़ित परिवार से तहरीर लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पारिवारिक विवाद में कुल्हाड़ी से हमला कर भाभी की हत्या, देवर गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद के मिर्ज़ामुराद थाना अंतर्गत एक गांव में शनिवार को एक देवर ने घरेलू विवाद में अपनी भाभी को कुल्हाड़ी से वार कर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद खुद हमलावर ने अपने भाई और पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपी देवर को गिरफ्तार कर लिया।

लच्छापुर गांव निवासी पूनम पटेल (32) पत्नी सुजीत पटेल आज पूर्वाह लगभग 11 बजे अपने घर के बाहर धूप में चारपाई पर गेहूं फैला रही थीं। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका अपने देवर अजीत पटेल से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आक्रोशित देवर अजीत ने घर में रखी कुल्हाड़ी से भाभी पूनम पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल महिला चीखते हुए जमीन पर गिर पड़ीं और कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना देवर ने रेलवे में ग्रुप-डी कर्मचारी भाई सुजीत और थाना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव और थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय ने मौक़े पर मौजूद लोगों और परिजनों से पूछताछ की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और घटना में प्रयुक्त खून से सनी कुल्हाड़ी को कब्जे में लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी अजय श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला है कि मृतक महिला पूनम के पांच साल का बेटा हर्षवर्धन है, जो स्कूल से लौटकर घर पहुंचा तो माँ का शव देख बिलखने लगा।

बच्चे के लिए बिस्किट मांगने की बात पर ससुरालियों ने बहु को पीटा, पति, सास और ननद पर मुकदमा दर्ज

प्रभात समय संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में मानवता को शर्मशार करने का मामला सामने आया है, जहां भूख से रो रहे बच्चे के लिए बिस्किट मंगाना उसकी मां को महंगा पड़ गया। बिस्किट मंगाने से भड़की सास ने बेटे और बेटी के साथ मिलकर बहू की बेरहमी से पिटाई कर दी। प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने महोबा थाना पुलिस में प्रताड़ना को लेकर पति, सास व ननद पर जान से मारने की धमकी देने का शनिवार को आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कबरई कस्बा के मुहाल गांधीनगर निवासी ज्योति रैकवार ने बताया कि पति सुरेश कुमार, सास पार्वती व ननद रक्षा आए दिन उसे गालियां देकर प्रताड़ित करते हैं। विरोध करने पर घर से निकालने की धमकी देते हैं। आठ अप्रैल की शाम करीब सात बजे बच्चा भूख से रो रहा था, तो उसने पति से बिस्किट लाने को कह दिया। इसी बात लेकर ससुरालीजन भड़क गए और तीनों ने उसे डंडों से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं हैं। पीड़िता ने आरोप लगाते हुए कहा कि ससुरालियों द्वारा उसे मायके से खर्चा लाने के लिए प्रताड़ित किया जाता है। पीड़िता ने कहा कि इन लोगों के अनुसार यदि ससुराल में रहना है तो माता पिता से खर्चा लाना होगा। ऐसा नहीं किया तो घर में रहने नहीं दिया जाएगा। प्रताड़ना से परेशान हो महिला ने पुलिस को सूचना दे न्याय की गुहार लगाई है। महोबा थानाध्यक्ष सत्यवेंद्र सिंह ने बताया कि महिला का पति सुरेश, सास पार्वती और ननद रक्षा पर केस दर्ज किया गया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बागपत में साइबर ठगी करने वाले 8 आरोपित गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत जिले की साइबर क्राइम पुलिस ने शनिवार को सरगना समेत आठ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया, जिनमें उनका सरगना भी शामिल है। पकड़े गए अपराधियों में कुछ लोग एमबीए, बीबीए और बीएससी की पढ़ाई कर रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने घटना का खुलासा करने वाली टीम को नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) प्रवीण चौहान ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि जिले के बली क्षेत्र निवासी संदीप अग्रवाल ने बीते दिनों साइबर थाना में शिकायत पत्र दिया था। उन्होंने बताया कि जस्ट डॉयल के माध्यम से सामान दिलाने का झांसा देकर उनसे 2,15,100 रुपये की ठगी की गई। साइबर क्राइम सेल ने मामले को संज्ञान लेकर जांच शुरु कर दी। शनिवार को साइबर सेल ने पुलिस के सहयोग से शाहजहांपुर के जलालाबाद निवासी ?आदित्य, अश्वनी, फर्रुखाबाद निवासी उत्कर्ष, अंकुर और आकाश सिंह के अलावा बस्ती निवासी आयुष, अयोध्या का अतुल और सीतापुर निवासी सुमित को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के पास से एक तमंचा, एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, एक कार, 11 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 24 सिम कार्ड, एक टैबलेट और 2 डेबिट कार्ड बरामद किए गए।

एएसपी ने बताया कि पकड़े गए अपराधियों में आदित्य बीएससी द्वितीय वर्ष, उत्कर्ष एमबीए द्वितीय वर्ष, अंकुर एमबीए प्रथम वर्ष, सरगना अश्वनी बीबीए प्रथम वर्ष, आयुष बीसीए पास, अतुल एमबीए प्रथम वर्ष और सुमित बीबीए पास हैं। इनके खिलाफ विभिन्न राज्यों में 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने अलग-अलग मामलों में एक करोड़ रुपये की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है। एएसपी ने बताया कि आरोपित अलग-अलग जनपद के होने के बाद भी एक साथ कैसे आए इसकी भी जांच चल रही है। वहीं, साइबर ठगी का खुलासा करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से रौंदा, श्रेयस अय्यर ने खेली अर्धशतकीय पारी

एजेंसी

मुल्लांपुर। कप्तान श्रेयस अय्यर (नाबाद 69), प्रियांश आर्य (57) और प्रभसिमरन सिंह (51) की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत पंजाब किंग्स ने सात गेंदें शेष रहते सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल मुकाबले में शनिवार को छह विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी ने पंजाब किंग्स के लिए तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 99 रन जोड़े।

सातवें ओवर में शिवांग कुमार ने प्रियांश आर्य को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। प्रियांश आर्य ने 20 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए 57 रनों की पारी खेली। नौवें ओवर में शिवांग कुमार ने प्रभसिमरन सिंह को आउटकर सनराइजर्स हैदराबाद को दूसरी सफलता दिलाई। प्रभसिमरन सिंह ने 25 गेंदों में चार चौके

और चार छक्के लगाते हुए 51 रन बनाये।

कूपर कॉनली 11 रन बनाकर शिवांग कुमार का तीसरा शिकार बने। 17वें ओवर में हर्ष दुबे ने नेहाल वढेरा को बोल्ड कर जीत की ओर बढ़ रही पंजाब किंग्स को चौथा झटका दिया। श्रेयस अय्यर ने कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद 69 रन बनाकर पंजाब को जीत दिलाई। पंजाब किंग्स ने 18.5 ओवरों में चार विकेट पर 223 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

श्रेयस अय्यर ने 33 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए नाबाद 69 रनों की पारी खेली। शशांक सिंह 16 रन बनाकर नाबाद रहे। आज यहां इससे पहले अभिषेक शर्मा (78), हेनरिक क्लासेन (39) और ट्रेविस (38) रनों की पारियों के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 220 रनों का लक्ष्य दिया। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 120 रन जोड़कर अपनी टीम अच्छी शुरुआत दिलाई। नौवें ओवर में शशांक सिंह ने पहले ट्रेविस हेड और उसके बाद इसी ओवर की तीसरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को आउट कर पंजाब किंग्स को दोहरी सफलता दिलाई। ट्रेविस हेड ने 23 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 38 रन बनाये।

अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्कों की बारिश करते हुए 74 रनों की तूफानी पारी खेली। कप्तान इशान किशन ने 17 गेंदों में 27 रन बनाये। उन्हें 14वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने आउट किया। अनिकेत शर्मा नौ गेंद में (18) और सलील अरोड़ा (नौ) रन बनाकर आउट हुये। क्लासेन ने 33 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए (39) रनों की पारी खेली।

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगी एलएसजी

एजेंसी

लखनऊ। आखिरी ओवर के तनाव से लेकर उभरते सितारों तक, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) रविवार को यहाँ भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 19वें मैच में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ एक बड़े दांव वाले दिन के मैच में, पिछले मैच के रोमांचक अंत की लहर पर सवार होकर उतरेगी। सभी की नजरें युवा मुकुल चौधरी पर टिकी हैं, जिन्होंने दबाव में 27 गेंदों पर निडर होकर नाबाद 54 रन बनाकर पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ तीन विकेट से शानदार जीत दिलाई थी। आखिरी दो ओवरों में जब 30 रनों की ज़रूरत थी, तब इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने ज़बरदस्त संयम और साफ़-सुथरी हिटिंग का प्रदर्शन करते हुए इस सीजन के सबसे रोमांचक फिनिश में से एक को अंजाम दिया। उनके इस शानदार प्रदर्शन को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट आयुष बडोनी के 34 गेंदों पर बनाए गए स्थिर 54 रनों ने और मज़बूत किया, जिसने लखनऊ को तब भी मैच में बनाए रखा जब जीत हाथ से फिसलती हुई लग रही थी। इस जीत ने ऋषभ पंत की अगुवाई वाली टीम में एक नया आत्मविश्वास भर दिया है, जो अब लगातार तीसरी जीत की तलाश में है।

लखनऊ को गुजरात पर अपनी हालिया बढ़त से भी आत्मविश्वास मिलेगा, क्योंकि उसने दोनों टीमों के बीच हुए पिछले तीन मुकाबले जीते हैं। उनकी पिछली भिड़ंत में एक ज़बरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला था, जिसमें एक तूफ़ानी शतक भी शामिल था जिसने उन्हें आसानी से जीत दिलाई थी, जबकि निकोलस पूरन ने गुजरात के खिलाफ लगातार अहम पारियां खेलकर टीम में योगदान दिया है। हालांकि, गुजरात भी अपनी एक अलग कहानी के साथ मैदान में उतर रही है - एक ऐसी कहानी जिसमें वापसी और नई लय शामिल है। शुभमन गिल की अगुवाई में, जीटी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक ठोस जीत के साथ सीजन की मुश्किल शुरुआत को पीछे छोड़ दिया है; इसका श्रेय काफी हद तक उनके टॉप-ऑर्डर के बल्लेबाजों को जाता है जिन्होंने आखिरकार एक साथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है।

गिल के शानदार 70 रनों ने मैच की लय तय की, जबकि साई सुदर्शन ने भी अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन को जारी रखा। टॉप-ऑर्डर में जोस बटलर के शामिल होने से टीम की बल्लेबाजी में और भी धार आ गई है, जो उनके तेज़ अर्धशतक से साफ़ ज़ाहिर होता है; वहीं वाशिंगटन सुंदर के पहले आईपीएल अर्धशतक ने टीम के मध्यक्रम को और भी मज़बूत बनाया है।

ग्लेन फिलिप्स और शाहरुख खान जैसे पावर-हिटर बल्लेबाजों के साथ-साथ राहुल तेवतिया की मैच खत्म करने की काबिलियत को देखते हुए, गुजरात की बल्लेबाजी यूनिट सही समय पर अपना संतुलन हासिल करती हुई नजर आ रही है।

मैकलरॉय को छह शॉट की बढ़त, भाटिया मास्टर्स से बाहर

एजेंसी

अगस्ता। 2026 अगस्ता मास्टर्स ने हाफवे स्टेज पर एक अहम मोड़ लिया, जब रोरी मैकलरॉय ने देर से शानदार चार्ज करते हुए रिकॉर्ड तोड़ छह शॉट की लीड हासिल की, जबकि अक्षय भाटिया हाफवे कट से चूक गए। मैकलरॉय ने शुक्रवार को टूर्नामेंट का सबसे अच्छा परफॉर्मेंस दिया, उन्होंने शानदार 7-अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे बाकी खिलाड़ी उनसे पीछे रह गए। राउंड के ज़्यादातर समय तक खचाखच भरे लीडर बोर्ड पर बने रहने वाले नॉर्दर्न आयरिशमैन ने अपने आखिरी सात होल्स में छह बर्डी के साथ बढ़त हासिल की। उनके 36-होल के कुल 12-अंडर 132 ने मास्टर्स के इतिहास में सबसे बड़ी हाफवे लीड का नया बेंचमार्क सेट किया। इस राउंड में मैकलरॉय का अनुभव और दबाव में उनका धैर्य दिखा।

गलत टी शॉट्स के बावजूद, जिनसे दिक्कत हुई, उन्होंने बार-बार स्मार्ट लेअप और सटीक शॉर्ट-गेम एग्जीक्यूशन से वापसी की। मोमेंटम के साथ, मैकलरॉय अब एक और ग्रीन जैकेट के करीब हैं, जिसका लक्ष्य जैक निकलॉस, निक फाल्डो और टाइगर वुड्स जैसे आइकॉन के साथ लगातार मास्टर्स चैंपियन बनना है। दूसरे स्थान पर पैट्रिक रीड और सैम बर्न्स हैं, दोनों छह शॉट पीछे हैं। रीड ने लगातार 69 का स्कोर किया, लेकिन आखिरी होल पर बोगी के कारण लड़खड़ा गए, जबकि बर्न्स ने अपने राउंड में देर से वापसी की, आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर 71 का स्कोर किया और दो राउंड तक 6-अंडर रहे। कट लाइन ड्रामा में कई जाने-माने नाम शामिल थे, जिनमें सबसे खास भाटिया थे, जिनकी अच्छी शुरुआत नाटकीय रूप से बिखर गई। 73 के शुरुआती राउंड के बाद, 24 साल के खिलाड़ी ने दूसरे राउंड में मजबूत फ्रंट नाइन के साथ मोमेंटम बनाते हुए देखा। लेकिन, बैक नाइन में उनकी चुनौती खत्म हो गई, जहाँ तीन डबल बोगी की वजह से स्कोर 8 ओवर तक पहुँच गया। पेड़ों में टी शॉट के बाद आखिरी होल में डबल बोगी ने उनकी किस्मत तय कर दी क्योंकि वह दो शॉट से कट से चूक गए। इस बीच, एरॉन राय ने लगातार तीन बोगी के खराब प्रदर्शन के बावजूद वीकेंड राउंड के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। अंग्रेज़ खिलाड़ी ने लगातार सात पार के साथ खुद को संभाला और 74 के स्कोर के साथ खत्म किया।

भारत के आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर 1 को हराकर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

चीन। बीस साल के आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अपनी ज़बरदस्त जीत का सिलसिला जारी रखा। इस नई पीढ़ी के भारतीय खिलाड़ी ने शनिवार को इस इवेंट में थाईलैंड के डिफेंडिंग चैंपियन और वर्ल्ड नंबर 1 कुनलावुत विटिडसार्न को 10-21, 21-19, 21-17 से हराकर मेन्स सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई। शेट्टी 1965 के बाद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय मेन्स सिंगल्स खिलाड़ी बने।

हालांकि पहला गेम 2023 वर्ल्ड जूनियर ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट के पक्ष में नहीं था, लेकिन शेट्टी ने अपनी शुरुआती हार से उबरते हुए अगले दो गेम आराम से जीते और ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट विटिडसार्न को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

दूसरे गेम में आयुष ने 12-4 की बढ़त ले ली और हालांकि विटिडसार्न ने

13-11 से अंतर कम कर लिया, लेकिन भारतीय हमेशा आराम से दिखे।

तीसरे गेम में भी उसी कॉन्फिडेंस के साथ उतरते हुए आयुष ने 1 घंटे 15 मिनट में एशियन चैंपियनशिप में अपनी पहली फाइनल जगह पक्की कर ली।

अब उनका सामना चाउ टिएन चेन (विश्व रैंकिंग 6) और शि यू की (विश्व रैंकिंग 2) के बीच होने वाले मैच के विनर से होगा।

अगर आयुष फाइनल मैच में स्वर्ण पदक जीतने में सफल होते हैं, तो 2023 के बाद यह भारत का पहला स्वर्ण पदक होगा। 2023 में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष युगल में स्वर्ण पदक जीता था।

इस टूर्नामेंट में आयुष का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है।

आज के मैच से पहले उन्होंने एक भी गेम नहीं गंवाया था। सेमीफाइनल में उन्होंने दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी को हराया था, और उससे पहले उन्होंने दुनिया के नंबर 7 खिलाड़ी ली शिफेंग को भी मात दी थी।

अल्काराज और सिनर सेमीफाइनल में

एजेंसी

मोंटे-कार्लो। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और नंबर दो खिलाड़ी जानिक सिनर मोंटे-कार्लो मास्टर्स के सेमीफ़ाइनल में पहुँच गए हैं। अल्काराज ने अलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-3, 6-0 से हराकर लगातार दूसरे साल इस टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई। स्पेनिश खिलाड़ी को मार्च में मियामी में सेबेस्टियन कोर्डा के हाथों तीसरे दौर में निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस हफ़्ते मोनाको में क्ले कोर्ट पर वापसी करते हुए वह काफ़ी सहज दिखे। अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज़ और टॉमस मार्टिन एचेवेरी को हराने के बाद, अल्काराज़ ने आठवीं वरीयता प्राप्त बुब्लिक के ख़िलाफ़ अपनी परीक्षा पास कर ली; बुब्लिक पहली बार इस स्पेनिश खिलाड़ी का सामना कर रहे थे।

फ़ुटबॉल जगत के दिग्गज पाओलो डि कैनियो की मौजूदगी में खेले गए एक रोमांचक शुरुआती सेट में, अल्काराज ने बुब्लिक की विविधताओं और गेंद पर

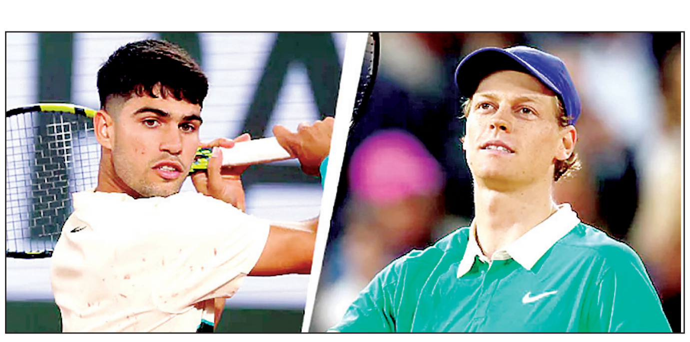

उनकी पकड़ का बखूबी सामना किया, और कई बार 'चूहे-बिल्ली' जैसे रोमांचक खेल में 28 वर्षीय बुब्लिक को अपनी चालों से मात दी। नंबर 1 खिलाड़ी ने इसके बाद कोर्ट रेनियर त्रक्क पर दूसरे सेट में ज़बरदस्त खेल दिखाते हुए अपनी 300वीं टूर-स्तरीय जीत हासिल की।

अल्काराज अब मोंटे-कार्लो में अपने ख़िताब को सफलतापूर्वक बचाने से बस दो जीत दूर हैं; पिछले साल चैंपियनशिप मैच में लोरेंजो मुसेटी को हराकर उन्होंने पहली बार क्ले-कोर्ट एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में जीत हासिल की थी।

22 वर्षीय अल्काराज़ का अगला मुकाबला शनिवार को सेमी-फ़ाइनल में मोनेगास्क स्टार वैलेंटिन वैचेरोट से होगा। वैचेरोट ने मोंटे-कार्लो मास्टर्स में अपना ऐतिहासिक सफ़र जारी रखा, जहां वह प्रिंसिपिलिटी में सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले पहले मोनेगास्क खिलाड़ी बने। कोर्ट रेनियर त्रक्क पर शोर मचाती भीड़ के समर्थन से, वैचेरोट ने पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर को 6-4, 3-6, 6-3 से हराया और अपनी चौथी शीर्ष 10 जीत हासिल की। इस बीच नंबर दो जानिक सिनर ने फ़ेलिक्स ऑगर-एलियासिम को आसानी से हराकर अपने 2026 सीज़न में एक और एटीपी मास्टर्स 1000 का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। एटीपी रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने ऑगर-एलियासिम को 6-3, 6-4 से हराकर अलेक्जेंडर ज़्वेरेव के साथ अंतिम चार में मुकाबले की तैयारी कर ली है। इस इटैलियन खिलाड़ी ने मोनाको में चौथे दौर में टॉमस माचाक के खिलाफ़ एक सेट हारने से पहले, मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में लगातार सेट जीतने का अपना रिकॉर्ड 37 तक पहुँचा दिया था; अब उन्होंने इस स्तर पर लगातार 20 मैच जीत लिए हैं। 'बिग थ्री' - रोजर फ़ेडरर, राफ़ेल नडाल और नोवाक जोकोविच - ही एकमात्र ऐसे अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस टूर्नामेंट के इतिहास में (1990 के बाद से) लगातार इतने मैच जीतने का आँकड़ा छुआ है।

क्वार्टर-फ़ाइनल में जीत के साथ, सिनर ने मोंटे-कार्लो के बाद अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज से 'वर्ल्ड नंबर 1' का ताज वापस छीनने की अपनी दावेदारी को बरकरार रखा है। सिनर ने ऑगर-अलियासिम के ख़िलाफ़ 92 मिनट की जीत पूरी करने के लिए हर सेट में एकमात्र ब्रेक हासिल किया, जहाँ इस इटैलियन खिलाड़ी ने बेसलाइन से ज़ोरदार हिटिंग का अपना जाना-पहचाना अंदाज़ दिखाया। अब अपने तीसरे मोंटे-कार्लो सेमीफ़ाइनल में पहुँचे, यह 24 वर्षीय खिलाड़ी शनिवार को चैंपियनशिप मैच में जगह बनाने के लिए तीसरे वरीयता प्राप्त ज़्वेरेव से भिड़ेगा; ज़्वेरेव ने इससे पहले जोआओ फ़ोंसेका को 2 घंटे 41 मिनट में 7-5, 6-7(3), 6-3 से हराया था।

ज़्वेरेव ने इससे पहले 19 साल के फ़ोन्सेका के साथ अपने पहले टूर-लेवल मुकाबले में, मैच के बीच में आए उनके ज़ोरदार खेल का सामना किया। 28 साल के इस जर्मन खिलाड़ी ने तीसरे सेट में ज़बरदस्त खेल दिखाते हुए लगातार तीसरा बार मास्टर्स 1000 के सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई। पिछले महीने वे इंडियन वेल्स और मियामी , दोनों जगहों पर इस स्टेज तक पहुँचे थे।

चावल, गेहूं के भाव टूटे, चीनी मजबूत, दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव घट गया। गेहूं में भी नरमी रही जबकि चीनी में तेजी देखी गयी। वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 97 रुपये टूटकर 3,759 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गेहूं दो रुपये सस्ता हुआ और 2,770 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

दाल-दलहनों में मिश्रित रुख देखा गया। मूंग दाल की औसत कीमत 32 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। तुअर दाल 35 रुपये और चना दाल 20 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल की कीमत 19 रुपये और मसूर दाल की 11 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी।

स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 141 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल की औसत कीमत 120 रुपये और पाम ऑयल की 85 रुपये बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल में 52 और सरसों तेल में 32 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। वनस्पति 11 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़। चीनी भी 28 रुपये महंगी हुई।

भारत-सऊदी अरब ने पश्चिम एशिया की स्थिति का लिया जायजा

❑ आपूर्ति शृंखला की निरंतरता सुनिश्चित करने पर रहा जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल कासबी के साथ आभासी रूप से बातचीत की। इस दौरान मौजूदा आपूर्ति शृंखला की निरंतरता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने आज सऊदी अरब के वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद बिन अब्दुल्ला अल कासबी के साथ आभासी रूप से बातचीत की और उम्मीद

जताई कि हाल ही में घोषित संघर्षविराम इस क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने बातचीत के दौरान सऊदी लोगों के अदम्य साहस की सराहना की, जो बढ़ती बाधाओं और अस्थिरता के बीच आपूर्ति शृंखला की मजबूती बनाए रखने के अपने संकल्प पर अडिग रहे हैं। गोयल ने मौजूदा संघर्ष के दौरान देश में हुए हमलों की भी निंदा की और भारतीय समुदाय की सुरक्षा के लिए सऊदी अरब के प्रयासों की सराहना की।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने बातचीत के दौरान इस बात पर गौर किया कि संघर्ष के कारण क्षेत्रीय आपूर्ति शृंखलाओं पर कितना दबाव पड़ा है और सुचारू व्यापार प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयासों के माध्यम से जल्द से जल्द स्थिति सामान्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने सऊदी अरब और खाड़ी क्षेत्र को निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही मंत्रियों ने द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौता वार्ताओं में जल्द प्रगति होने के प्रति आशा व्यक्त की। इस बातचीत ने भारत-सऊदी अरब आर्थिक साझेदारी को और अधिक गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया गया।

एनएसई ने शुरू की मुद्रा, कॅमोडिटी, कैश और इक्विटी डेरिवेटिव खंडों में नैनोसेकंड स्तर पर ऑर्डर की पुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। मात्रा के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े वायदा कारोबार एक्सचेंज 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' (एनएसई) ने शनिवार से मुद्रा डेरिवेटिव, कॅमोडिटी डेरिवेटिव, कैश (कैपिटल मार्केट) और इक्विटी डेरिवेटिव खंडों में अपना 'तत्काल पुष्टि' फीचर लागू कर दिया है।

इसके जरिए अब ऑर्डर की पुष्टि नैनोसेकंड (सेकंड के एक अरबवें हिस्से) में मिल रहा है, जो पहले के लगभग सेकंड के 10 हजारवें हिस्से से काफी तेज है।

यह उपलब्धि एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम में एक बड़ा और अहम सुधार दर्शाती है, जो देश को वैश्विक एक्सचेंज प्रौद्योगिकी में और मजबूत बनाती है। साथ ही, यह एक्सचेंज की पारदर्शी, तेज और विश्वस्तरीय पूंजी बाजार तंत्र बनाने की प्रतिबद्धता को भी बढ़ावा देती है।

एनएसई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया

कि नये और बेहतर प्रोसेस के तहत अब एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम को भेजे गये हर ऑर्डर की नैनोसेकंड में तुरंत पुष्टि हो रही है। ऑर्डर मिलने की तत्काल पुष्टि इसके बाद सामान्य प्रक्रिया के अनुसार स्वीकृति या अस्वीकृति का संदेश आता है। इससे बाजार में सौदा करने वाले लोग अपने ऑर्डर की जानकारी तुरंत ट्रैक कर सकते हैं और पहले से ज्यादा भरोसे तथा पारदर्शिता के साथ काम कर सकते हैं।

फिलहाल दुनिया का कोई भी दूसरा एक्सचेंज ऐसा नहीं है, जो नैनोसेकंड में प्रतिक्रिया देने का दावा करता हो।

नये एक्रिप्शन सिस्टम के तहत लागू किये गये 'तत्काल पुष्टि' फीचर को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया। सबसे पहले 12 जुलाई 2025 से करंसी डेरिवेटिव में इससे लागू किया गया। पिछले साल 13 दिसंबर से कॅमोडिटी डेरिवेटिव में और 11 अप्रैल 2026 से पूंजी बाजार/ इक्विटीज में इसे लागू किया गया। इक्विटी डेरिवेटिव में भी इसे आज से ही लागू किया गया है। एनएसई का कहना है कि इससे पारदर्शिता और काम में भरोसा बढ़ेगा। यह तेजी दर्शाती है कि एनएसई एसी प्रौद्योगिकी पर काम कर रहा है, जो दुनिया के बड़े एक्सचेंज के बराबर ही नहीं, उनसे आगे भी है।

मप्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बढ़ा चीतों का कुनबा

मादा चीता गामिनी ने दिया चार शावकों को जन्म

❑ भारत में चीतों की संख्या बढ़कर 57 हुई

एजेंसी

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में एक बार फिर चीतों का कुनबा बढ़ गया है। यहां भारतीय मूल की मादा चीता 'गामिनी' ने चार शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की है। साथ ही उन्होंने मादा चीता गामिनी का शावकों के साथ फोटो भी शेयर किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि मध्य प्रदेश अब चीतों के 'पुनरुद्धार' के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। कूनो के खुले जंगलों में 'गामिनी' चीते से जन्मी 25 महीने की भारतीय मूल की मादा चीते द्वारा चार शावकों का जन्म इस बात का प्रमाण है कि मध्य प्रदेश की भूमि चीतों के वंश विस्तार के लिए पूरी तरह से अनुकूल है। प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता सफल हो रही है।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए कूनो के प्रबंधकों और वन्यजीव पशु चिकित्सकों को बधाई दी है।वहीं केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर के माध्यम से इस सफलता से खुशी जाहिर की है और वन विभाग की टीम और इस परियोजना से जुड़े सभी कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में चल रही चीता संरक्षण परियोजना को यह एक बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने लिखा है कि 2022 में चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब किसी चीता ने प्राकृतिक जंगल वातावरण में शावकों को जन्म दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि यह किसी भारतीय मूल की मादा चीता की पहली सफल प्रसूति मानी जा रही है।

इधर, वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मादा चीता गामिनी पिछले एक साल से अधिक समय से खुले जंगल में रह रही थी और वह प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप पूरी तरह ढल चुकी थी। जंगल में शावकों का जन्म इस बात का संकेत है कि कूनो का पर्यावरण अब चीतों के लिए अनुकूल साबित हो रहा है और वे यहां सुरक्षित रूप से प्रजनन कर पा रहे हैं।

मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि मादा चीता गामिनी ने चार शावकों को जन्म दिया है। यह सफलता परियोजना के मुख्य उद्देश्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस परियोजना का उद्देश्य चीतों को प्राकृतिक वातावरण में स्थापित करना और उनके प्रजनन को सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी बताया कि मां बनी चीता गामिनी स्वयं भी एक शावक रही है, जो अब स्वस्थ रूप से प्रजनन कर रही है। यह परियोजना की दीर्घकालिक सफलता का संकेत है।

महाराष्ट्र के खाद्य मंत्री छगन का हेलीकॉप्टर हेलीपैड की बजाय कार पार्किंग में उतरा, जांच का आदेश

❑ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिया जांच का आदेश

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मंत्री छगन भुजबल के हेलीकॉप्टर को पायलट ने पुणे में तय हेलीपैड की बजाय एक किलोमीटर दूर एक कार पार्किंग में उतार दिया। हालांकि हेलीकॉप्टर में सफर करने वाले मंत्री छगन भुजबल सहित अन्य सभी सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर तीव्र नाराजगी जताई है और मामले की उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि अभी तक इस घटना की पूरी जानकारी उन्हें नहीं है। लेकिन इस घटना में सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ है। इस घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी। मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि इस घटना में उनका हेलीकॉप्टर तय हेलीपैड की बजाय कार पार्किंग में लैंड किया गया। इस घटना में पायलट सहित हम सभी सुरक्षित हैं।

पुणे ग्रामीण पुलिस के अधिकारी ने बताया कि मंत्री छगन भुजबल शनिवार को पुणे में ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के कार्यक्रम में शामिल होने हेलीकॉप्टर से आ रहे थे। मंत्री की सुरक्षा प्रोटोकाल की अनुसार एक हेलीपैड तैयार किया था और क्रू मेंबर को इसकी जानकारी भी दी गई थी, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज़ कर दिया और हेलीकॉप्टर कार पार्किंग में उतारा गया, जहां पहले से बहुत सी कारें पार्क की गई थीं। वे इस मामले की रिपोर्ट नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को देंगे और पायलट के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नियमों के अनुसार, जब भी किसी खास इलाके में हेलीकॉप्टर को उतरना होता है, तो स्थानीय लोक निर्माण विभाग हेलीकॉप्टर के क्रू मेंबर्स को निर्देश देता है। लेकिन यहां तय नियमों का पालन नहीं किया गया है। इस घटना के बाद नासिक के पुरंदर में हेलीकॉप्टर के उतरने का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि पार्किंग एरिया में कई कारें एक लाइन में खड़ी थीं। हेलीकॉप्टर ठीक उन गाडिय़ों के सामने उतरा। इस दौरान धूल का एक बड़ा बादल उठता हुआ दिखाई दिया। इस घटना से काफी दहशत फैल गई है, क्योंकि तीन महीने पहले ही महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी। राकांपा एसपी के विधायक रोहित पवार ने इस घटना के बाद ट्वीट जारी कर मंत्री छगन भुजबल को संभालकर विमान और हेलीकॉप्टर का सफर करने की सलाह दी है। रोहित पवार ने विमान कंपनियों पर इस तरह की लापरवाही करने पर चिंता व्यक्त की है।

मप्र के शिवपुरी में ऑटो पर ट्रक पलटा दूल्हा-दुल्हन समेत चार की मौत

एजेंसी

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र में शनिवार को दोपहर में मुर्गी दाना से भरा ट्रक टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया। इस हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोगों की मौत हो गई।

तेंदुआ थाना क्षेत्र के राजगढ़ गांव निवासी वीरेंद्र शाक्य (25) की शादी शुक्रवार को शिवपुरी की संजय कॉलोनी निवासी राजेश्वरी शाक्य से हुई थी। दोनों ने संजय कॉलोनी के एक मंदिर में परिवार की मौजूदगी में विवाह किया था। शादी के बाद दूसरे दिन शनिवार को दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां अन्वेश शाक्य (50), भाभी राजो शाक्य (22) बहन भूरिया शाक्य (19) ऑटो से राजगढ़ गांव के लिए रवाना हुए थे। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12 बजे टोंगरा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास ऑटो चालक ने ऑटो रिक्शा खड़ा किया था। इस दौरान ऑटो चालक और दूल्हे की बहन पास की दुकान पर चले गए थे। तभी मुर्गी दाना से भरा तेज रफ्तार से आ रहा ट्रक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े ऑटो पर पलट गया, जिससे ऑटो में बैठे दूल्हा-दुल्हन, दूल्हे की मां और भाभी ट्रक के नीचे दब गए।

हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और ट्रक के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। करीब आधे घंटे बाद सभी को निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली की नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति का मसौदा जारी

❑ 30 दिनों तक दे सकेंगे सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2026' का नया मसौदा शनिवार को जारी किया।जनता अगले 30 दिनों तक (11 मई तक) इस पर अपने सुझाव दे सकेगी। नई नीति में भारी सब्सिडी का प्रावधान भी किया गया है। यह नीति लागू होने के बाद वर्ष 2023 तक प्रभावी रहेगी। दिल्ली परिवहन विभाग के अनुसार इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली की हवा को साफ बनाना और लोगों को पेट्रोल-डीजल की जगह इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार ने नई नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को बेहद किफायती बनाने के लिए कई प्रस्ताव रखे हैं। अलग-अलग गाड़ियों के लिए साल-दर-साल सब्सिडी तय की गयी है। यह पैसा सीधे आपके बैंक खाते में डीबीटी के जरिए आएगा।

पंजीकरण का वर्ष प्रोत्साहन अधिसूचना की तारीख से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (स्कूटर/बाइक) के लिए पहले साल में 10 हजार रूपये (अधिकतम 30 हजार रुपये तक), दूसरे साल में 6,600 हजार रूपये से अधिक (अधिकतम 20 हजार तक), तीसरे साल में 3,300 हजार रूपये से अधिक (अधिकतम 10 हजार रूपये तक) तक का प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके अलावा इलेक्ट्रिक दो-पहिया वाहन की फैक्टरी से निकलने के समय की कीमत आईएनआर 2.25 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। वहीं, ई-ऑटो (थ्री-व्हीलर) के लिए पहले साल में 50 हजार रूपये, दूसरे साल 40 हजार रूपये और तीसरे साल 30 हजार रुपये की मदद मिलेगी। ई-ट्रक (माल ढोने वाले) के लिए पंजीकरण के वर्ष प्रोत्साहन अधिसूचना की तारीख से पहले साल में एक लाख रूपये, दूसरे साल 75 हजार रूपये और तीसरे साल 2.50 लाख रूपये से अधिक तक की बड़ी सब्सिडी दी जाएगी।

अगर आप अपनी पुरानी पेट्रोल-डीजल कार को कबाड़ में देकर नई इलेक्ट्रिक कार खरीदते हैं, तो सरकार आपको एक लाख रूपये की अतिरिक्त छूट देगी। टू-व्हीलर के लिए यह स्क्रैपिंग बोनस 10 हजार रूपये तय किया गया है। पुराने ऑटो के बदले 25 हजार रूपये और पुराने हल्के ट्रक के बदले 50 हजार रूपये की अतिरिक्त छूट मिलेगी। 31 मार्च 2030 तक 30 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों के लिए रोड टैक्स और आवेदन फीस पूरी तरह माफ रहेगी। अगर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में रजिस्टर होने वाली सभी इलेक्ट्रिक कारों, जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 30 लाख रुपये से अधिक है, उन्हें रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फ़ीस में कोई छूट नहीं दी जाएगी। ईवी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। नीति के अनुसार अब हर वाहन डीलर के लिए अपने शोरूम पर पब्लिक चार्जिंग स्टेशन लगाना अनिवार्य होगा।

'राजा शिवाजी' का नया पोस्टर रिलीज़

एजेंसी

मुंबई। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी ने अपनी फिल्म 'राजा शिवाजी' का नया पोस्टर रिलीज़ कर दिया है। इस पोस्टर के साथ गाना राजा शिवाजी अँथम ''छत्रपती'' का माहौल भी बन गया है, जो इस सोमवार रिलीज़ होने वाला है। फिल्म का निर्देशन रितेश विलासराव देशमुख ने किया है, जो इसके लेखक, निर्माता और मुख्य अभिनेता भी हैं। वह इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म की कुछ झलकियां भी शेयर की थीं, जिनमें भारत के महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनकी विरासत की एक झलक देखने को मिली।

राजा शिवाजी अँथम ''छत्रपति '' का मुख्य हिस्सा पहले ही रिलीज़ हो चुका है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। यह गाना अजय-अतुल ने बनाया और गाया है। इसका म्यूज़िक भव्य और दमदार है, जिसे खास तौर पर बड़े पर्दे के लिए तैयार किया गया है। राजा शिवाजी अँथम ''छत्रपती'' के रिलीज़ के साथ फिल्म एक और बड़े पड़ाव की ओर बढ़ रही है।

इस फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते, जिनिलीया देशमुख और रितेश विलासराव देशमुख जैसे कई बड़े कलाकार नजर आएंगे।

जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत 'राजा शिवाजी', मुंबई फिल्म कंपनी की फिल्म है, जिसे ज्योति देशपांडे और जिनिलीया देशमुख ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनकी विरासत पर आधारित एक भव्य ऐतिहासिक फिल्म है, जो एक मई 2026 को मराठी और हिंदी में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

राजा शिवाजी एंथम 'छत्रपति' का दमदार बिहाइंड द सीन्स वीडियो रिलीज

मुंबई। फिल्म राजा शिवाजी के मेकर्स ने 'राजा शिवाजी एंथम ल्लछत्रपतिङ्क' का एक दमदार बिहाइंड द सीन्स वीडियो रिलीज किया है, जिसे मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने तैयार किया है। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी ने फिल्म 'राजा शिवाजी' का शानदार पोस्टर जारी करने के बाद अब दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने फिल्म के 'राजा शिवाजी एंथम ल्लछत्रपतिङ्क' का एक दमदार बिहाइंड द सीन्स वीडियो रिलीज किया है, जिसे मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने तैयार किया है। इस फिल्म का निर्देशन, लेखन, निर्माण और मुख्य भूमिका निभा रहे रितेश विलासराव देशमुख इस एंथम में छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार में नजर आएंगे। वीडियो में फिल्म के भव्य म्यूज़िकल विज़न की झलक देखने को मिलती है, जो इस ऐतिहासिक फिल्म के स्तर को और ऊंचा बनाती है। वीडियो में अजय-अतुल और उनकी टीम की मेहनत साफ नजर आती है। 'राजा शिवाजी एंथम ल्लछत्रपतिङ्क' का दमदार संगीत और ऊर्ज़ावान साउंड इसे बड़े पर्दे पर देखने का शानदार अनुभव बनाने का वादा करता है। इसका मुख्य कोरस पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

दिल्ली पर छाया 'भूत बंगला' का जादू, मेकर्स ने की जबरदस्त अंदाज में प्रमोशन की शुरुआत!

एजेंसी

नई दिल्ली। फिल्म 'भूत बंगला' के मेकर्स ने नयी दिल्ली में फिल्म के प्रमोशन की भव्य शुरूआत की। फिल्म 'भूत बंगला' अपनी रिलीज के करीब आते-आते लगातार और भी बड़ी और एक्साइटिंग होती जा रही है। इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च ने लोगों की उत्सुकता को एक अलग ही लेवल पर पहुँचा दिया है, और अब हर कोई इस मजेदार फैमिली एंटरटेनर के लिए तैयार है। इस हॉरर-कॉमेडी को लेकर बढ़ते क्रेज के बीच, मेकर्स ने दिल्ली से इसका प्रमोशन शुरू कर दिया है और पूरा शहर इसके खुमार में डूबा नजर आ रहा है। इसके अलावा, फिल्म को लेकर दीवानगी साफ देखी जा सकती है, जहाँ हाथ में लालटेन लिए अक्षय कुमार के कटआउट्स ने दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। ट्रेलर को मीडिया और दर्शकों दोनों से शानदार रिव्यू मिले हैं और यह यूट्यूब पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है। इसने फिल्म के प्रति लोगों के उत्साह को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के एक डिवीजन, बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से 'भूत बंगला' पेश की है, जिसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव मुख्य भूमिकाओं में हैं।

प्रभास और आदित्य धर के साथ आने की चर्चा ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

एजेंसी

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगा स्टार प्रभास और बॉलीवुड फिल्मकार आदित्य धर के साथ आने की चर्चा ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।

यह चर्चा तब शुरू हुई जब संदीप रेड्डी वांगा ने 'धुरंधर 2' को लेकर एक ट्वीट किया, जिस पर आदित्य धर ने जवाब देते हुए प्रभास को एक ''लीजेंड'' बताया। नेटिज़न्स के लिए यह एक छोटा सा इशारा ही काफी था और उन्होंने तुरंत कयास लगाने शुरू कर दिए कि पर्दे के पीछे कुछ बहुत बड़ा पक रहा है। हालांकि अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है, लेकिन फैंस इन छोटे-छोटे हिंट्स को पकड़ रहे हैं और कल्पना कर रहे हैं कि यह भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े कॉम्बिनेशंस में से एक हो सकता है। सोशल मीडिया पर रिएक्शंस की बाढ़ आ गई है, जहाँ फैंस इसे ''ड्रीम कोलैब'' कह रहे हैं जो बड़े पैमाने पर सिनेमा और कहानी कहने के तरीके को बदल सकता है। कई लोगों का मानना है कि प्रभास की 'लार्जर-दैन-लाइफ' स्क्रीन प्रेजेंस और आदित्य धर का दमदार निर्देशन मिलकर एक ऐसा सिनेमाई चमत्कार पेश कर सकते हैं जो पहले कभी नहीं देखा गया।

इस संभावित कोलैबोरेशन के स्केल को लेकर इंटरनेट पर चर्चाएं छाई हुई हैं।अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि तो नहीं हुई है, लेकिन बढ़ती चर्चाओं ने एक बात साफ कर दी है, दर्शक प्रभास और आदित्य धर को साथ देखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

'छोरी 2' के एक साल पूरे

नुसरत भरुचा के साहसी चुनाव ही बनाते हैं उनकी अलग पहचान

एजेंसी

मुंबई। फिल्म 'छोरी 2' को रिलीज़ हुए एक साल हो गया है, लेकिन आज भी नुसरत भरुचा की परफॉर्मेंस को काफी याद किया जाता है और उसकी वजह है उनका कुछ अलग करने का चुनाव है।

आम तौर पर फिल्म इंडस्ट्री में जहां कलाकार अक्सर उसी रास्ते पर चलते हैं, जो काम कर रहा हो, वहां नुसरत ने धीरे-धीरे उस दायरे से बाहर निकलने का फैसला किया। 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी फिल्मों से एक जाना पहचाना चेहरा बनने के बावजूद, उन्होंने उसी स्पेस में बने रहने की बजाय 'छोरी' के साथ एक बड़ा मोड़ लिया और यह मोड़ था एक फीमेल-लीड हॉरर फिल्म का, जो लगभग पूरी तरह उनकी परफॉर्मेंस पर टिकी थी। हालांकि 'छोरी 2' के साथ उन्होंने इस सफर को और आगे बढ़ाया, जहां कहानी ज्यादा इंटेंस और इमोशन से भरपूर हो गई।

'छोरी 2' को रिलीज़ हुए आज एक साल हुए हैं और आज भी यह फिल्म उनके दर्शकों के मन में जस की तस बनी हुई है और उसकी वजह है नुशरत भरुचा की पर्फोर्मेंस। 'छोरी' और 'छोरी 2' की सबसे बड़ी ताकत यही रही कि नुसरत सिर्फ कहानी का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि उन्होंने उसे अपने कंधों पर उठाया। उनका किरदार साक्षी एक टिपिकल कमर्शियल हीरोइन जैसा नहीं है, जो बेबाक और निडर है। वह कमजोर भी है और डरी हुई भी, लेकिन अंदर से मजबूत भी है और यही बैलेंस कहानी को दिलचस्प बनाता है। 'छोरी 2' में यह इमोशनल गहराई और भी अहम हो जाती है, क्योंकि फिल्म ज्यादा डार्क और साइकोलॉजिकल टेरिटरी में जाती है, और नुशरत हर मुश्किल मोमेंट को मजबूती से संभालती नजर आती हैं।

यदि नुसरत के फिल्मी चुनावों को देखा जाए, तो एक साफ पैटर्न नजर आता है और वो ये है कि वे सेफ खेलने के बजाय, हमेशा से ऐसे रोल चुनती आई हैं, जिनमें एक तरह का रिस्क शामिल हो। चाहे 'जनहित में जारी' हो के जरिए सामाजिक मुद्दे को उठाना हो या 'छोरी' और छोरी 2' के जरिए हॉरर में एक मजबूत मैसेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना हो, उन्होंने रिपीट करने की बजाय एक्सप्लोर करने का रास्ता चुना है।फिर भी, इन सबके बावजूद, वह अक्सर सबसे ज्यादा शोर-शराबे वाली चर्चाओं का हिस्सा नहीं बनतीं। शायद इसलिए क्योंकि उनका बदलाव अचानक या ओवर-मार्केटेड नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे और नेचुरल तरीके से हुआ है।